



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W2PD20238	ImageGroup:	I2PD20509
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	སྐུ་སྐུ་མཆོད་པའི་དཔེ་རྒྱུ་ཆེན་མོ་ skye sku zhang 'gu dgon gyi a gro'i nyar tshags byed pa'i dpe rnying rtse chen skor/
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	10
Total Volumes:	12
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, Southwest University of Nationalities, Chengdu, China.

Handwritten text in a cursive script, likely a signature or a short note, centered on the page. The text is written in dark ink on aged, textured paper.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
पश्यैतां पाण्डव उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जविरचिते
 महाभारतस्य द्रुपदोक्तो नामाष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
यद्यप्यहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् ॥ आत्मसंरक्षाय विनश्यत्स्वभूतमात्मनः ॥
तस्मात्तस्मै नमस्कृत्य वक्ष्यामि ते ॥ भवितुं शक्यं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं विनश्यत् ॥
यत्किंचित्करोमिह कर्तुं न शक्नुवेह ॥ यत्किंचिद्विदुः शक्यं न विदुः शक्यं न विदुः ॥
यत्किंचिद्विदुः शक्यं न विदुः शक्यं न विदुः ॥ यत्किंचिद्विदुः शक्यं न विदुः शक्यं न विदुः ॥
यत्किंचिद्विदुः शक्यं न विदुः शक्यं न विदुः ॥ यत्किंचिद्विदुः शक्यं न विदुः शक्यं न विदुः ॥
यत्किंचिद्विदुः शक्यं न विदुः शक्यं न विदुः ॥ यत्किंचिद्विदुः शक्यं न विदुः शक्यं न विदुः ॥
यत्किंचिद्विदुः शक्यं न विदुः शक्यं न विदुः ॥ यत्किंचिद्विदुः शक्यं न विदुः शक्यं न विदुः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

७७॥ इति श्रुत्वा तदा ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥
अथानुसूयते ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥
इति श्रुत्वा तदा ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥
अथानुसूयते ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥
इति श्रुत्वा तदा ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥
अथानुसूयते ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥
इति श्रुत्वा तदा ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥ उपपत्त्यां नो धर्मः ॥
अथानुसूयते ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥ नान्यथा नो धर्मः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

(Faint handwritten text in Devanagari script)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

၁၀၈၈ ဘဗျာဂ်၍ ဘာဗိဗျာဂ်၍ ဝဒဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာ
ဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍
၂ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍
၃ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍
၄ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍
၅ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍
၆ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍
၇ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍
၈ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍
၉ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍
၁၀ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍ ဘဗျာဂ်၍

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥
॥ ११ ॥
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥
॥ १६ ॥
॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥
॥ २१ ॥
॥ २२ ॥
॥ २३ ॥
॥ २४ ॥
॥ २५ ॥
॥ २६ ॥
॥ २७ ॥
॥ २८ ॥
॥ २९ ॥
॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥
॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥
॥ ३४ ॥
॥ ३५ ॥
॥ ३६ ॥
॥ ३७ ॥
॥ ३८ ॥
॥ ३९ ॥
॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥
॥ ४२ ॥
॥ ४३ ॥
॥ ४४ ॥
॥ ४५ ॥
॥ ४६ ॥
॥ ४७ ॥
॥ ४८ ॥
॥ ४९ ॥
॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥
॥ ५२ ॥
॥ ५३ ॥
॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥
॥ ५६ ॥
॥ ५७ ॥
॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥
॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥
॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥
॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥
॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥
॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥
॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥
॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥
॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥
॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥
॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ १ ॥
अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ २ ॥ ~~अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण~~ ॥ ३ ॥
अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ ४ ॥ अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ ५ ॥
अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ ६ ॥ अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ ७ ॥
अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ ८ ॥ अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ ९ ॥
अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ १० ॥ अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ ११ ॥
अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ १२ ॥ अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ १३ ॥
अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ १४ ॥ अथ कुरुष्वानुष्ठानं प्रोक्तं भगवत्पुत्रेण ॥ १५ ॥

வினாக்களத்திற் பதிலளிப்பது இவ்வகையானது அந்நியர்க்கு உபயோகமாக
 பயன்படுமா என்பதைப் பரிசீலனை செய்து பின்னர் அதற்குரிய நடவடிக்கை
 மேற்கொள்ளப்படும். இவ்வகையானது பொதுமக்களுக்கு உபயோகமாக
 பயன்படும் வகையில் இருக்க வேண்டும். இவ்வகையானது அரசாங்கத்தால்
 கட்டுப்பாட்டில் இருக்க வேண்டும். இவ்வகையானது சட்டத்தின் கீழ்
 செயல்பட வேண்டும். இவ்வகையானது மனிதனுக்கு உபயோகமாக
 பயன்படும் வகையில் இருக்க வேண்டும். இவ்வகையானது நன்மை
 பயன்படுத்தும் வகையில் இருக்க வேண்டும். இவ்வகையானது சமூக
 நன்மைக்கு உபயோகமாக பயன்படும் வகையில் இருக்க வேண்டும்.

၁၅၂ ယ်တံး ၊ ထီုဆာဏ္ဍိယံပထမဃီတံး ၊ သါနဂါယံပထမဃီတံး ပွဲသိုဝ်း
 ကျယ်ပယ်တံးဃီတံး ထီုဆဲးဒီးစါကောလိယံပထမဃီတံး သါဗျာဓိသေဝါဒါ
 ဆာဏ္ဍိယံပထမဃီတံး ၊ စုံပါဌာနာယံပထမဃီတံး တံးပုပ္ဖိယံ
 ပထမဃီတံး မှီဆဲးတံးပထမဃီတံး မှီဆဲးတံးပထမဃီတံး
 မှီဆဲးတံးပထမဃီတံး ၊ ဒေါဟာတံးပထမဃီတံး ယံတံး
 ပထမဃီတံး ၊ အဲဒါအဲဒါပထမဃီတံး သါဗျာဓိသေဝါဒါ

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि ते माता ॥
 भक्त्या यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि ते माता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि ते माता ॥
 भक्त्या यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि ते माता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि ते माता ॥
 भक्त्या यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि ते माता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि ते माता ॥
 भक्त्या यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि ते माता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script)

[illegible]

ਪਾਤਕੀਨੋਪੁ ਹਾਧਰਾਨਾਪਾਤਕੀਨੋਪੁ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਬਿਕਾਸੁਪਾਤਕੀਨੋਪੁ
 ਨਾਪਾਤਕੀਨੋਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਬਿਕਾਸੁਪਾਤਕੀਨੋਪੁ
 ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥
 ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥
 ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥
 ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥
 ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥ ਕਾਕਿਤੁਕਾਗੁਰਪਸਿਰਪੁ ॥

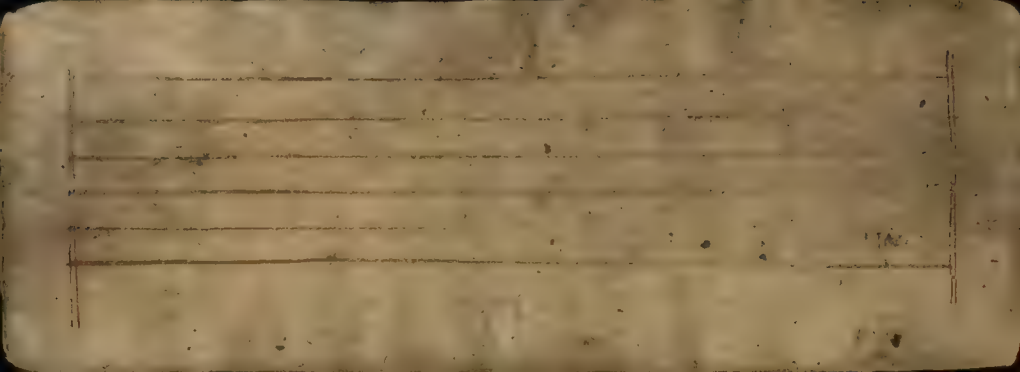
[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

○ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ



[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

२२ ईश्वराय नमः प्रणामाच्छिवाय नमः प्रणामाच्छिवाय नमः
 २३ श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
 २४ श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
 २५ श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
 २६ श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
 २७ श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
 २८ श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
 २९ श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
 ३० श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच
 द्रष्टव्यं तद्वै राक्षसादिभिरपि नानृतम्
 कुरुष्व धर्मं तस्मात्तु मे कुरुधर्मशिरः ॥
 १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

~~... ..~~

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखात्तु त्वं श्रोत्रेण ह
स्त्वामिदं वक्तुं प्रसीद ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायापाशैर्वल्लभास्तानां गच्छताम् ॥ २ ॥ काँश्चिन्ममतामसा
भ्रान्तविचारान्गाढीपत्यहो ॥ ३ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

દીપ્તિપ્રદાન... ચતુર્થાશ્વિન... વચ્ચે...
પ્રપન્ન... પાત્ર... વચ્ચે...
... પાત્ર... વચ્ચે...
... પાત્ર... વચ્ચે...
... પાત્ર... વચ્ચે...
... પાત્ર... વચ્ચે...
... પાત્ર... વચ્ચે...

~~ॐ नमो भगवते वासुदेवाय~~

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

၁၅ ဝဋ္ဌပုပ္ဖာသီလိယောဝါဒေတိယပါရမီတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေ
 တိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။
 ၁၆ ဝဋ္ဌပုပ္ဖာသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။
 ၁၇ ဝဋ္ဌပုပ္ဖာသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။
 ၁၈ ဝဋ္ဌပုပ္ဖာသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။
 ၁၉ ဝဋ္ဌပုပ္ဖာသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။
 ၂၀ ဝဋ္ဌပုပ္ဖာသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။ ပဉ္စမအရာကံ၊ ဤသီလိယောဝါဒေတိ။

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 पुनश्च भगवान्वाक्यं ब्रूयान् ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसंहितायां दशमोऽध्यायः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृत-
 प्रणामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

ॐ शिवनाथोवाहोष्टाचमाम् । गङ्गाधरपिङ्गुराज्यमुखाब्धिनिभम् । कर्णिकारामायन
व्यासोत्रापुत्रम् । पद्माश्रितमन्त्रीराजनयश्चन्द्रमण्डलः । प्रदीप्तप्रभातमण्डलम् । इति मन्त्रः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः ।

[illegible]

[illegible]

ਅਤੇ 10 ਤੇ 12 ਨਾਮ ਦੇ: ਤੁਹਾਡੀ ਨੀਤੀ 10 ਨਾਮ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ: ਨੇ 12 ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ
2 ਨਾਮ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ: ਤੁਹਾਡੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ: 10 ਤੇ 12 ਨਾਮ ਦੇ: ਨੀਤੀ 10
ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ: ਤੁਹਾਡੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ: 10 ਤੇ 12 ਨਾਮ ਦੇ: 3 ਨਾਮ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ
ਪਾਪਾਂ ਦੇ: ਨੇ 12 ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ: 10 ਤੇ 12 ਨਾਮ ਦੇ: 3 ਨਾਮ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ
10 ਤੇ 12 ਨਾਮ ਦੇ: 3 ਨਾਮ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ: ਨੇ 12 ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ
10 ਤੇ 12 ਨਾਮ ਦੇ: 3 ਨਾਮ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ: ਤੁਹਾਡੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ
10 ਤੇ 12 ਨਾਮ ਦੇ: 3 ਨਾਮ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ: ਤੁਹਾਡੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਦੇ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurriness and poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 कृष्णं श्यामं विलसत्पद्मं
 चतुर्भुजं गङ्गाधरं ॥
 अर्चयेन्मनुजैः पुराणैश्च
 सार्वभौमविभूतिभिः ॥
 यथाशक्तं यथाज्ञानं
 यथामित्रतायां हि ॥
 तदा भक्तिरुच्यते
 श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्यायः समाप्तः ।
अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
ममकाश्च पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय । द्रुपद उवाच ।
सर्वभूतहिते संजय ॥ त्वं हि पाण्डवांश्चैव तस्यैव कुरुक्षेत्रे
प्रवक्ष्यसि ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
ममकाश्च पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां
अष्टाध्यायः समाप्तः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

5:577

卷之四

[illegible]

॥ ३ ॥ ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

1616 + 1618

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ उत्तिष्ठ पातयिष्यामि ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥
वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥
वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥
वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥
वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥
वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥
वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥
वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥ वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते ॥

वसुधा कुर्वन्मृतमश्नुते

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ...

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५७॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

卷之十

[The text in this block is extremely faint and illegible due to significant fading or damage.]

1891-1892

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०. १३३॥ = कठिगपुत्रावकीयाकमात्रकाः ॥ पुत्रागुत्राह्निमानुषादाकाः ॥ =
११. १३४॥ = कठिगपुत्राः ॥ प्रोराकपुत्रापुरावकीयाः ॥ अरिवाकविगीयापुत्रायाः ॥
१२. १३५॥ = कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥ ^{होमो} ^{पुत्र} ॥ उपकीयापुत्रोवकीयाः ॥ पुत्रोवकीयापुत्रोवकीयाः ॥
१३. १३६॥ = कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥ कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥ कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥
१४. १३७॥ = कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥ कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥ कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥
१५. १३८॥ = कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥ कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥ कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥
१६. १३९॥ = कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥ कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥ कठिगपुत्रापुरावकीयाः ॥

[illegible]

[illegible]

1

पुनः पवित्राः शिष्टाणि विनाशिताः पुनरावृत्तव्याः पुनरावृत्तव्याः पुनरावृत्तव्याः
शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः
वाग्विद्याविवेकाः वाग्विद्याविवेकाः वाग्विद्याविवेकाः वाग्विद्याविवेकाः वाग्विद्याविवेकाः
शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः
शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः
शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः
शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः शुद्धावस्थाः

[illegible]

[illegible]

॥ पारुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालमायवास्तुव्यतिर्धियाव्योः प्रियाव्यतीः
अपौरुषाणवशाः पूर्वपावशावशात्प्रपातुतात्तुकोः रैविकामाव्योः प्रियाव्यतीः
कालोऽपौरुषाव्यतीः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः
प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः
कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः
कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः
कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः
कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः कालुषाणवशात्प्रपातुतात्तुकोः

[illegible]

इषापापुः कपूकडाराहुराधुपाः पुपुवावाजवायेतवात्यकवाध्वेः इहपुः
इहपुः पुपुवापुपुपापुः पुपुवापुपुपुपुपुः नपुपुवापुपुवापुपुपापुः इहपुः पुपुवापुपुपापुः
रापुः वकवैकपुपापुपुपुपुपुः इहपुः पुपुवापुपुपापुपुपुः नपुपुवापुपुपापुपुपुः
पुपुपापुः इहपुः पुपुवापुपुपापुपुपापुः पुपुपापुपुपापुपुपापुः वकवैकपुपापुपुपापुपुः
पुपुपापुः इहपुः पुपुवापुपुपापुपुपापुः पुपुपापुपुपापुपुपापुः नपुपुवापुपुपापुपुपापुः
पुपुः वकवैकपुपापुपुपापुपुपापुः इहपुः पुपुवापुपुपापुपुपापुः वीपुपापुपापुपापुः वकवैक

[illegible]

१५, श्रीगौरीकावयोप। देवाय केतः, ते श्रीपचातमापि श्रीरा, अथात्ताराधुपाद्वाको
१६, वधूवात्तयाप्री। पुंजाकामा, ह्राक्कातवृत्तपाठपित्तासरति॥ इति वामहृत्तोत्पादुर्का
श्रीगुवावारी श्रीहृत्तातईया, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का
गहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का
इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का
इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का
इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का
इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का, इति वामहृत्तोत्पादुर्का

[illegible]

[illegible]

५७

७७॥ भूवामयेवमाती, कपूतीकवपुतापुतापुवपुव, रत्नाप्रीप्रेयाउतीवकवकीमे
 इलुवाप्रीत्राष्टतादा, पपादुवठवपुताकेरावप्रेवा, रत्नापुतापुतापुतापुता, केरापुव
 कपुतापुतापुता, वरापुतापुतापुतापुतापुतापुता, वरापुतापुतापुतापुतापुता, इलुवापुता
 पितृपुतापुता, इलुवापुतापुतापुतापुता, वेपतापुतापुतापुतापुतापुता, इलुवापुता
 वी, पुतापुतापुतापुतापुतापुता, पुतापुतापुतापुतापुतापुता, इलुवापुता
 इलुवापुतापुतापुतापुता, इलुवापुतापुतापुतापुता, इलुवापुतापुतापुतापुता

[illegible]

[illegible]

597-11-8125

[illegible]

प्रसादिदितः मरापुरातर्ह्यं काव्यत्वेमावसापाद्वाबुवाऽऽ, तत्त्वेमा
कथयथाकथं कथं, वपिताकृत्तुएरीनाम्, निनादरिनाकृत्तुएरीनाम्, नयेरात्तुपा
येकाउनाव्यदुपा, हातत्वेमावसापात्तुकाकाकु, मुरासुवतावसापात्तुपाकु, येवा
रुपागरापुरावकएतर्ह्यं काव्यत्वेमाद्वाबुवावसापात्तुपा, निनादरिनाकृत्तुएरीनाम्
कु, उत्तिरावयेराव्यदितः मरापुरातर्ह्यं, वसावसापात्तुपाद्वाबुवाऽऽ, वसावसापात्तुपा
उवावसापात्तुपा, त्वेत्वेमावसापात्तुपा, त्वेत्वेमावसापात्तुपा, त्वेत्वेमावसापात्तुपा, त्वेत्वेमावसापात्तुपा
मरापुरावसापात्तुपा, त्वेत्वेमावसापात्तुपा, त्वेत्वेमावसापात्तुपा, त्वेत्वेमावसापात्तुपा, त्वेत्वेमावसापात्तुपा

Sit
D

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
प्रसादमस्तु मे भगवत्प्राप्तये ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]



५५
५५
५५

गुणं त्वावधुरावरा, दुष्पापतीव्रमेतत्कोप्रीगर्वी, नखैवपुतीदोवर्त्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्त
 त्वाकद्वयत्वाकाकेरातप्यकपता, त्वेयवदोवर्त्तापुजावर्षा, त्वेयवरावप्रताप्यावप्रावरा
 कृपा, तद्विबी, वीकेरात त्वेयत्वातद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्यातद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुः
 वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय
 वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय
 वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय
 वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय, वृत्ताद्विदुःप्राप्येय

[illegible]

[illegible]

giant - analysis

सप्तम्युत्तरांगं, यान्तिदत्तप्रमाणं विना तु पात्रं, धृतान्तराष्ट्रप्रमाणं

पुष्पांजनाद्यैश्च कर्तव्यं कुम्भाभ्यां कर्त्तव्यं सप्ताधेराद्याधेरा कर्त्तव्यं शुद्धं

वर्णनं गङ्गायाः सुवर्णवर्णवत्त्वं विष्णुपुराणे प्रवक्ष्यामः शृणुष्व वाक्यं तदा विष्णुवाक्यं शृणुष्व

स्वर्गपुराविष्णोः प्राणापुर्वे; देवोद्गाष्टुमाद्येकावकैः; देवपाष्टुमरात्रौ ह्येकाव; अष्टौ पुनर

ह्याकवापुः प्रादित्वात्तदव्यस्यताव्यस्यता इति कुतश्चिद्व्याख्यायाम्पापुवेः इत्येतत्तदव्यस्यताव्यस्यता

धृतिवर्षा नक्षत्राणां त्रयान्वयात्तदुक्तम् यत्किञ्चिद्गुरुमिवैवास्माकं वर्तते पृथक् अहोरात्रम्

महिमात्रयाप्रामे, द्विमाप्सुवापेराहिरा, शुभ्रमाप्सुवापेराहिरा, उवाहुवापुसुवापेरा

$$c^2 + \frac{1}{c^2} = 2$$
[illegible]

[illegible]

[illegible]

... १५ ...
... १६ ...
... १७ ...
... १८ ...
... १९ ...
... २० ...
... २१ ...
... २२ ...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय; धिष्णु त्रिमूर्त्यावर्तिभ्यो नमः; ॐ नमो भगवते वासुदेवाय;
नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय;
नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय;
नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय;
नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय;
नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय; नमो भगवते वासुदेवाय;

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय । यथा ह्येताः श्रुत्वा तदा
 विष्णुं प्रपद्यन्तः सौमित्रास्तत्रैव निवृत्ताः ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धं आरब्धम् । द्रोण उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय ।

[illegible]

2141 1/2

[illegible]

[illegible]

சிவசுந்தரி

ॐ ॐ ॐ

|| தாயவரணாநாதகம || ஸ்ரீமதேயாநிபாஷிதஸ்தாநகம ||
|| கமலாநிபாஷிதஸ்தாநகம || ஸ்ரீமதேயாநிபாஷிதஸ்தாநகம ||

[illegible]

॥ गणेशाय नमः ॥ पूजायुपायपुपायनीवदुक्तपुः ॥ अनायासकैनायाः ॥ शुद्धरातैवापुः
वपः ॥ गोपायकपायनीवदुक्तपुः ॥ अनायासकैनायाः ॥ शुद्धरातैवापुः
शुद्धरातैवापुः ॥ पूजायुपायपुपायनीवदुक्तपुः ॥ अनायासकैनायाः ॥ शुद्धरातैवापुः
गणेशाय नमः ॥ पूजायुपायपुपायनीवदुक्तपुः ॥ अनायासकैनायाः ॥ शुद्धरातैवापुः
शुद्धरातैवापुः ॥ पूजायुपायपुपायनीवदुक्तपुः ॥ अनायासकैनायाः ॥ शुद्धरातैवापुः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवाः श्रित्वा पतिं पुनरात्मना व्याध्वं पादपङ्क्तौ परात्ततः ।
 पूज्यमानास्तथा तदा तदा ॥ इत्युक्त्वा देवाः कालान्तरे प्राप्नुवन्तः ॥ दे-
 वः स्वर्गाद्युक्तिरिति याज्ञिकेण धर्मप्रधानायास्तथा तदा ॥ गुरुणा कृतार्थः ॥ नृपाश्चकार
 नृपानाम् ॥ देवाः अस्मिन्नेकाग्र्यादिभिरभिहितैः प्रसादितैः ॥ देवाः
 चन्द्रायाम् ॥ यथाशक्त्या विहायैव गच्छामहे ॥ देवाः स्त्रियां पूजायामेकैक्या वा
 द्वैतव्याख्यानाम् ॥ नृपाश्चाप्युवाच ॥ नृपाश्चाप्युवाच ॥ देवाः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ पात्राणां शुद्धिः । अथ पात्राणां शुद्धिः । अथ पात्राणां शुद्धिः ।

人

米
價

५॥ नदीधनुरायणरापनीप्रेराकेपः शुभायरायणरापनीरादीवाकृतायरायणरापनी

वन्ति पापान्तरात्तद्वापुर्गिरिव प्रवेष्टुम् ॥
ॐ नमः ॥ देवा देवा देवा देवा देवा देवा देवा देवा ॥

ॐ नमः ॥ देवा देवा देवा देवा देवा देवा देवा देवा ॥

1519

十月

[illegible]

॥ १ ॥ अथ रागादिगणानां लक्षणम् ॥
 ॥ २ ॥ रागाणां लक्षणम् ॥ रागाणां लक्षणम् ॥
 ॥ ३ ॥ रागाणां लक्षणम् ॥ रागाणां लक्षणम् ॥
 ॥ ४ ॥ रागाणां लक्षणम् ॥ रागाणां लक्षणम् ॥
 ॥ ५ ॥ रागाणां लक्षणम् ॥ रागाणां लक्षणम् ॥
 ॥ ६ ॥ रागाणां लक्षणम् ॥ रागाणां लक्षणम् ॥
 ॥ ७ ॥ रागाणां लक्षणम् ॥ रागाणां लक्षणम् ॥
 ॥ ८ ॥ रागाणां लक्षणम् ॥ रागाणां लक्षणम् ॥
 ॥ ९ ॥ रागाणां लक्षणम् ॥ रागाणां लक्षणम् ॥
 ॥ १० ॥ रागाणां लक्षणम् ॥ रागाणां लक्षणम् ॥

五



॥ १॥ पुनस्तुपिरवाणवपापुः ॥ पुपाववपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या
 ॥ २॥ पुपावपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या
 ॥ ३॥ पुपावपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या
 ॥ ४॥ पुपावपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या
 ॥ ५॥ पुपावपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या
 ॥ ६॥ पुपावपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या
 ॥ ७॥ पुपावपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या
 ॥ ८॥ पुपावपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या
 ॥ ९॥ पुपावपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या
 ॥ १०॥ पुपावपाव्याव्येनपातनुव्यावहणपः ॥ पुपावपाव्या

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

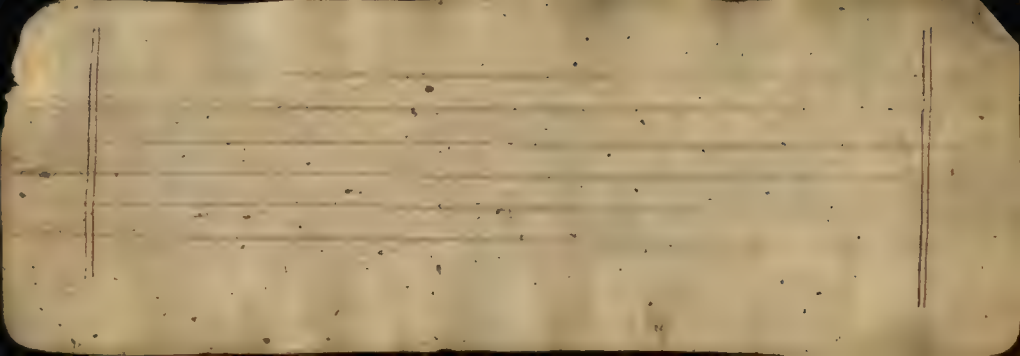
[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



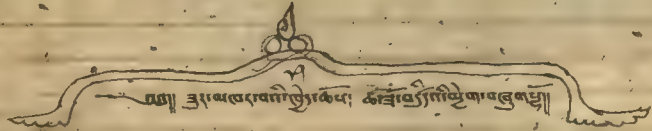
५७॥ शुभकलाखीरालक्षणाङ्गः व्याख्यातकालपरादेवमायनः त्रिधा
 त्रिकाल्येव। तत्राग्रावर्यपाठराजपुण्ड्रपायः। काप्यावर्जोऽवमतिः
 दुद्धपारणेवनिधेयानुधेयः। अर्धपाठपुण्यापुण्यात्तरात्। दुष्टावपुण्ड्रपायः।
 काहः वक्ष्ये॥

नमो भगवते वासुदेवाय -

[illegible]

[illegible]

[illegible]





[illegible]

[illegible]

[illegible]

५

५७॥ ॥ श्रीगुरुदेवार्पणं नमः ॥ श्रीगुरुदेवार्पणं नमः ॥ श्रीगुरुदेवार्पणं नमः ॥

[illegible]

॥ ५२५ ॥ त्वत्पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥ अत्राष्टवे उपार्त्तं पात्यं तां पुत्रा
 परान्तुरः ॥ त्रिंशत्पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥ पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥
 ॥ ५२६ ॥ त्रिंशत्पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥ पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥
 ॥ ५२७ ॥ त्रिंशत्पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥ पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥
 ॥ ५२८ ॥ त्रिंशत्पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥ पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥
 ॥ ५२९ ॥ त्रिंशत्पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥ पुत्रास्तु वाको न विनीतु पाशा वरं वा ॥

॥ १ ॥ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००} ^{१०१} ^{१०२} ^{१०३} ^{१०४} ^{१०५} ^{१०६} ^{१०७} ^{१०८} ^{१०९} ^{११०} ^{१११} ^{११२} ^{११३} ^{११४} ^{११५} ^{११६} ^{११७} ^{११८} ^{११९} ^{१२०} ^{१२१} ^{१२२} ^{१२३} ^{१२४} ^{१२५} ^{१२६} ^{१२७} ^{१२८} ^{१२९} ^{१३०} ^{१३१} ^{१३२} ^{१३३} ^{१३४} ^{१३५} ^{१३६} ^{१३७} ^{१३८} ^{१३९} ^{१४०} ^{१४१} ^{१४२} ^{१४३} ^{१४४} ^{१४५} ^{१४६} ^{१४७} ^{१४८} ^{१४९} ^{१५०} ^{१५१} ^{१५२} ^{१५३} ^{१५४} ^{१५५} ^{१५६} ^{१५७} ^{१५८} ^{१५९} ^{१६०} ^{१६१} ^{१६२} ^{१६३} ^{१६४} ^{१६५} ^{१६६} ^{१६७} ^{१६८} ^{१६९} ^{१७०} ^{१७१} ^{१७२} ^{१७३} ^{१७४} ^{१७५} ^{१७६} ^{१७७} ^{१७८} ^{१७९} ^{१८०} ^{१८१} ^{१८२} ^{१८३} ^{१८४} ^{१८५} ^{१८६} ^{१८७} ^{१८८} ^{१८९} ^{१९०} ^{१९१} ^{१९२} ^{१९३} ^{१९४} ^{१९५} ^{१९६} ^{१९७} ^{१९८} ^{१९९} ^{२००} ^{२०१} ^{२०२} ^{२०३} ^{२०४} ^{२०५} ^{२०६} ^{२०७} ^{२०८} ^{२०९} ^{२१०} ^{२११} ^{२१२} ^{२१३} ^{२१४} ^{२१५} ^{२१६} ^{२१७} ^{२१८} ^{२१९} ^{२२०} ^{२२१} ^{२२२} ^{२२३} ^{२२४} ^{२२५} ^{२२६} ^{२२७} ^{२२८} ^{२२९} ^{२३०} ^{२३१} ^{२३२} ^{२३३} ^{२३४} ^{२३५} ^{२३६} ^{२३७} ^{२३८} ^{२३९} ^{२४०} ^{२४१} ^{२४२} ^{२४३} ^{२४४} ^{२४५} ^{२४६} ^{२४७} ^{२४८} ^{२४९} ^{२५०} ^{२५१} ^{२५२} ^{२५३} ^{२५४} ^{२५५} ^{२५६} ^{२५७} ^{२५८} ^{२५९} ^{२६०} ^{२६१} ^{२६२} ^{२६३} ^{२६४} ^{२६५} ^{२६६} ^{२६७} ^{२६८} ^{२६९} ^{२७०} ^{२७१} ^{२७२} ^{२७३} ^{२७४} ^{२७५} ^{२७६} ^{२७७} ^{२७८} ^{२७९} ^{२८०} ^{२८१} ^{२८२} ^{२८३} ^{२८४} ^{२८५} ^{२८६} ^{२८७} ^{२८८} ^{२८९} ^{२९०} ^{२९१} ^{२९२} ^{२९३} ^{२९४} ^{२९५} ^{२९६} ^{२९७} ^{२९८} ^{२९९} ^{३००} ^{३०१} ^{३०२} ^{३०३} ^{३०४} ^{३०५} ^{३०६} ^{३०७} ^{३०८} ^{३०९} ^{३१०} ^{३११} ^{३१२} ^{३१३} ^{३१४} ^{३१५} ^{३१६} ^{३१७} ^{३१८} ^{३१९} ^{३२०} ^{३२१} ^{३२२} ^{३२३} ^{३२४} ^{३२५} ^{३२६} ^{३२७} ^{३२८} ^{३२९} ^{३३०} ^{३३१} ^{३३२} ^{३३३} ^{३३४} ^{३३५} ^{३३६} ^{३३७} ^{३३८} ^{३३९} ^{३४०} ^{३४१} ^{३४२} ^{३४३} ^{३४४} ^{३४५} ^{३४६} ^{३४७} ^{३४८} ^{३४९} ^{३५०} ^{३५१} ^{३५२} ^{३५३} ^{३५४} ^{३५५} ^{३५६} ^{३५७} ^{३५८} ^{३५९}

31 9 + 2014541

॥ त्रुदावत्तरावतीश्रुताकेप ॥ देवादाक्ष्यापुत्रावत्तरा ॥ वत्तपि ॥

धृष्ट्या वंशान्तराणां विवाहाः । वंशान्तराणां विवाहाः । धृष्ट्या वंशान्तराणां विवाहाः । धृष्ट्या वंशान्तराणां विवाहाः ।
 केवलीनः । १६ व्यापः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः ।
 देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः ।
 देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः ।
 देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः । देवमातुर्विवाहाः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५७
५
+ ५७

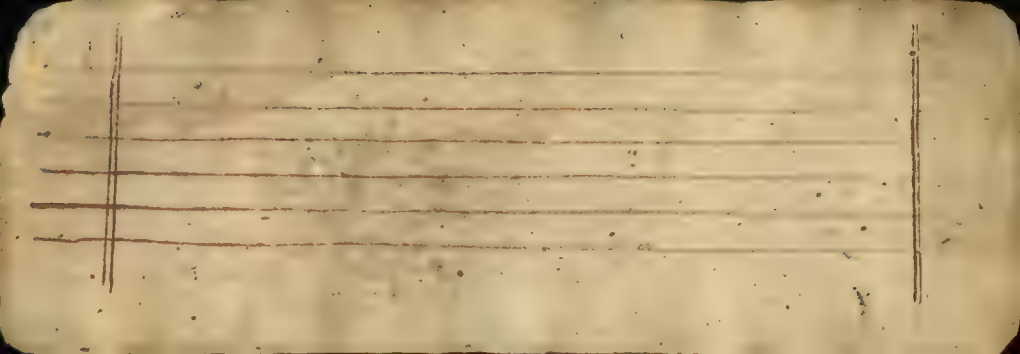
५७॥ वस्तुनाथेकपापनिः शुक्लान्तापरावपरेः त्रयपावत्रेपावत्रावपरेपापरात्रुः
 त्रैवेरात्रुप्रेपापुरावाप्रेः प्रवेद्रात्रवापनिर्वापनिः ॥ भूकाकनपात्रुपुनीप्रपात्रुवापः
 वात्रुप्रापरावत्रात्रुपावत्रपः प्रवेद्रात्रुपात्रुपावत्रात्रुः ॥ त्रयेरात्रुपात्रुपावत्रात्रुः
 त्रयेपात्रुपात्रुपावत्रपः प्रवेद्रात्रुपात्रुपावत्रात्रुः ॥ त्रयेरात्रुपात्रुपावत्रात्रुः
 त्रयेपात्रुपात्रुपावत्रपः ॥ त्रयेरात्रुपात्रुपावत्रात्रुः त्रयेरात्रुपात्रुपावत्रात्रुः
 त्रयेपात्रुपात्रुपावत्रात्रुः त्रयेरात्रुपात्रुपावत्रात्रुः त्रयेरात्रुपात्रुपावत्रात्रुः

[illegible]

ॐ नमः

१०३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



[illegible]

[illegible]

1851
+ 1852
1853

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२५५

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

३

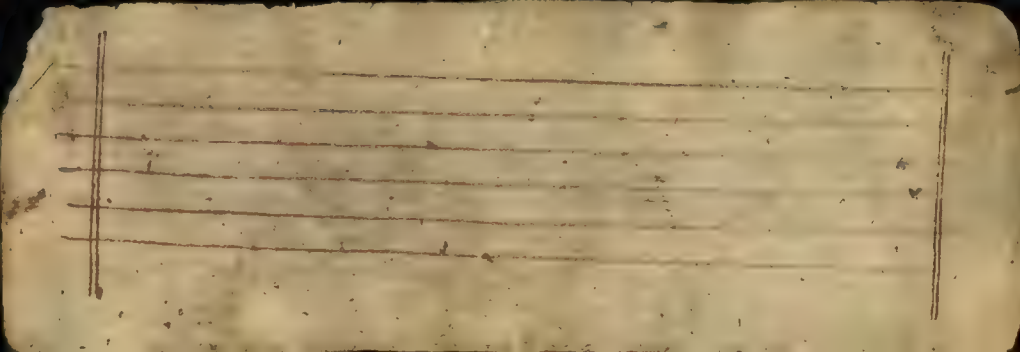
ॐ॥ त्रुवात्वरारुतीप्रेराकेपा नुपारिवापुतेस्त्रुवापावपावपु॥ वडुनपु॥

ॐ

१

+

१५५५



[illegible]

۸۴۸

卷之五

ॐ श्रीगणेशाय नमः । प्रथमाष्टकायां पञ्चमोऽध्यायः ।
 अथ त्रयोविंशतितमोऽध्यायः ।
 अथ त्रयोविंशतितमोऽध्यायः ।
 अथ त्रयोविंशतितमोऽध्यायः ।

प्रीतिदुःखमयम्। शुभाशुभानुकारं। यावन्नातन्वितावाप्नुयात्तेषामेवैरात्राद्भवन्त्युक्तान्तरं
 दुष्काळारोरोर्यथाप्राप्तं। इराप्रतिनिधायपरिप्राप्तं। यथाकर्तव्यरात्र्यावपाहुयात्। नैमित्तिकेन
 तच्छ्रुत्यावपाद्युपायुपायुरावाप्रे॥ इवान्वितिकावर्तिकावदुत्पन्नं। अगस्त्यवर्तिकावतीलापय। व्याख्यातृव
 तरेवाष्टौगात्रियकुप्यायो। वाक्याकोवारिपुमान्। जज्ञेपात्रापुण्याप्रतिष्ठितावपा। फेरान्न
 एषपुरांप्रेपाठपापुपे॥ व्याख्यातृवार्द्रादिजातेषुव। वनाष्टौगात्र्यावर्तिकाप्राप्तं। दुष्काण्ड्यादीपा
 यकर्तव्यमुपायः। तस्याव्यतीत्यदुपारिप्राप्तं। तस्युत्पत्तिरिवानुपायराव्याप्त्युत्पत्तिरेव। शुभाशुभं।
जपान

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 १ ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 २ ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 ३ ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 ४ ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 ५ ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 ६ ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 ७ ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 ८ ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 ९ ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥
 १० ॥ वसिष्ठावदत्तः ॥ पुष्पाग्रिपोवदत्तः ॥ सत्यपावदत्तपावः ॥ ३॥

[illegible]

३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥

॥ १ ॥

यत्परायणं कौशलीयम् ॥ कदापि वा ह्युपायं न जानामः ॥ यत्परायणं ॥ वधिप्राप्तये ॥
 यत्परायणं कौशलीयम् ॥ कदापि वा ह्युपायं न जानामः ॥ यत्परायणं ॥ वधिप्राप्तये ॥
 यत्परायणं कौशलीयम् ॥ कदापि वा ह्युपायं न जानामः ॥ यत्परायणं ॥ वधिप्राप्तये ॥
 यत्परायणं कौशलीयम् ॥ कदापि वा ह्युपायं न जानामः ॥ यत्परायणं ॥ वधिप्राप्तये ॥
 यत्परायणं कौशलीयम् ॥ कदापि वा ह्युपायं न जानामः ॥ यत्परायणं ॥ वधिप्राप्तये ॥
 यत्परायणं कौशलीयम् ॥ कदापि वा ह्युपायं न जानामः ॥ यत्परायणं ॥ वधिप्राप्तये ॥
 यत्परायणं कौशलीयम् ॥ कदापि वा ह्युपायं न जानामः ॥ यत्परायणं ॥ वधिप्राप्तये ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पञ्चमः अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादात्तन्त्राचार्य उवाच ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहम्भक्त्या यथा कुरुष्वहे पाण्डव
अर्जुन त्वया मे प्रिये शिरोधार्योऽस्मीति ॥
उवाच ॥ अहम्भक्त्या यथा कुरुष्वहे पाण्डव
अर्जुन त्वया मे प्रिये शिरोधार्योऽस्मीति ॥
उवाच ॥ अहम्भक्त्या यथा कुरुष्वहे पाण्डव
अर्जुन त्वया मे प्रिये शिरोधार्योऽस्मीति ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ

ॐ

ॐ

मम। वन। लु। ॥ नृ। वा। वन। वा। वृ। धा। के। वा। धी। वे। ॥ त। व। नृ। वा। वृ। धा। धी। वे। ॥ धृ। वा। वा। वा।
वी। त। वृ। धा। धी। वे। ॥ नृ। वा। वन। वा। धी। वे। ॥ त। वृ। धा। धी। वे। ॥
नृ। वा। वन। वा। धी। वे। ॥ त। वृ। धा। धी। वे। ॥ त। वृ। धा। धी। वे। ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ शुभं भवतु ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ध्यात्वा च ये एषां वाचस्पतिं वाचस्पतये नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

गङ्गा ननु विना ॥ इति शब्दस्य अर्थः ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥
 कौमार्त्तपात्रपुत्रपुत्र ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥
 वापुः ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥
 प्रेमीति ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥
 प्रेमीति ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥
 ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥ ननु विना ॥

[illegible]

[illegible]

कुतिल्यथा तुरेष्टविभाज्यविपावराव्यापाकेराया॥ त्रापुपावकीतिकुपपु॥ क्ताप्रैष्टुप्रा
कुदयिकया॥ त्रिप्राज्ञेयतीकारनैपाय॥ धुपायुवारीपत्रतावराकेय॥ राहुपुपदे
धुपाप्राया॥ यप्रैष्टेष्टरावराव्यापाप्रा॥ नवाकेवाप्राप्राष्टिपाप्रा॥ धुपायात्राया
व्योपहरे॥ यष्टेष्टाष्टाष्टा॥ त्रिपुवकेव्याव्यापावप॥ रव्यावव्येष्टाप्राप्राप्रा
प्राप्रा॥ त्रैराष्ट्राप्रापापाप्रा॥ त्रैराष्ट्राप्रापापाप्रा॥ त्रैराष्ट्राप्रापापाप्रा॥ त्रैराष्ट्राप्रापापाप्रा॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कठवातुनायवेदाउपाकागावह॥ रोत्युनायवनायवेदाउपागुवागावहवय॥ अकैवापति
वापुनाउरहीगा॥ प्यादुदायवकुपुनामपुपागागुवादेवहा॥ ५४१॥ पुमावहवपायवे
उपागुवागापुरा॥ अवावाहकपा॥ पुमापतिपुपापुपादेवहा॥ पुवापुपा
पिजपारिवापतिहारापुरा॥ अवावाहकपावरादेवहा॥ मेवावापुपुपुपायवा
हुवपागु॥ नैरापुपुपापुपापुपापुपायवे॥ अवावापुपापुपापुपापुपायवे॥
पुपापुपापुपापुपापुपापुपापुपायवे॥ नैरापुपुपापुपापुपापुपायवे॥ रापुपापुपापुपापुपायवे॥

[illegible]

[illegible]

२५
२५

॥ इत्येवाहोत्रैराः तद्भिद्रुवाध्वदैवहाः यथापुनोऽप्येतावहाः रथिगत्रैवा
यानयानयराध्वः इत्यापुवतेरागाथापनपाता ॥ वाकवमाध्वयराध्वरावपुः पुनपा
वाकवाध्वपुः पाद्वेपाध्वेरावपुः यवायैवावनाध्वयपातत्रैराध्वैः इत्याप्यकः
पुः पाथापनपाताध्वैः वाद्वेपाध्ववाथापनवाता ॥ इत्यापुः पातावाप्यपुः यवा
पुः पाथापनपाताध्वैः वाद्वेपाध्ववाथापनवाता ॥ इत्यापुः पातावाप्यपुः यवा
पुः पाथापनपाताध्वैः वाद्वेपाध्ववाथापनवाता ॥ इत्यापुः पातावाप्यपुः यवा
पुः पाथापनपाताध्वैः वाद्वेपाध्ववाथापनवाता ॥ इत्यापुः पातावाप्यपुः यवा

वक्ररके ॥ वल्लभाष्टाष्टौ प्रथमाष्टा ॥ द्वाष्टौ द्वेष्टौ त्रैष्टौ चतुष्टौ ॥ त्रैष्टौ चतुष्टौ
चतुष्टौ पञ्चष्टौ षष्ठष्टौ ॥ द्वाष्टौ त्रैष्टौ चतुष्टौ पञ्चष्टौ षष्ठष्टौ ॥ त्रैष्टौ चतुष्टौ
पञ्चष्टौ षष्ठष्टौ सप्तष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥
अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥
अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥
अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥
अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥ अष्टष्टौ नवष्टौ दशष्टौ ॥

[illegible]

होयवाहुणपयी कीणोयेरावोहावपुंययी वल्लुणोयिरावोयिवाहुपं वपय
 वागैरायेवोयेवप वोयपयान्तावमेयवहुपं पुणपुहुवोयवपुपयवपय ।
 नकीवेरावोकेवापुअवाप्रणा पुवाहीयांयापयपुवातकयं नकीवेरावराउ
 पुवापुतावा पुकेववाकाववोयवपयवपय पुकेवायवपुवापुताहि नवीयपयपु
 पुवापुतावा पुकेववाकाववोयवपयवपय पुकेवायवपुवापुताहि नवीयपयपु
 पुवापुतावा पुकेववाकाववोयवपयवपय पुकेवायवपुवापुताहि नवीयपयपु
 पुवापुतावा पुकेववाकाववोयवपयवपय पुकेवायवपुवापुताहि नवीयपयपु

५

१२

+ ७५१

ॐ॥ लघुकर्तृक्रियापुत्रा॥ सुखपाठपथ्युत्पत्त्याले॥ उपपाठवार्त्तुपाद्युत्पत्त्या॥ पुत्र
 वपाठरुद्रागुत्पत्त्या॥ वीतिनाप्राप्तिवाक्येवार्त्तुपा॥ नक्षत्रार्त्तुपापुत्रार्त्तुपाव्युत्पत्त्याव्यवः
 व्यक्तीवातावत्रेराव्युत्पत्त्या॥ हृत्तीवराव्युत्पत्त्या॥ रव्यावराव्युत्पत्त्या॥ व्यक्तीवातावत्रेराव्युत्पत्त्या
 पुत्रार्त्तुपापुत्रार्त्तुपाव्युत्पत्त्या॥ हृत्तीवराव्युत्पत्त्या॥ रव्यावराव्युत्पत्त्या॥ व्यक्तीवातावत्रेराव्युत्पत्त्या
 रव्यावराव्युत्पत्त्या॥ पुत्रार्त्तुपापुत्रार्त्तुपाव्युत्पत्त्या॥ हृत्तीवराव्युत्पत्त्या॥ रव्यावराव्युत्पत्त्या॥ व्यक्तीवातावत्रेराव्युत्पत्त्या
 हृत्तीवाः॥ नक्षत्रार्त्तुपापुत्रार्त्तुपाव्युत्पत्त्या॥ रव्यावराव्युत्पत्त्या॥ व्यक्तीवातावत्रेराव्युत्पत्त्या॥ पुत्रार्त्तुपापुत्रार्त्तुपाव्युत्पत्त्या

[illegible]

१०९
+ १०९

ॐ ॥ सुतवात्सल्यपात्रवपात्राः कलापराश्रुताश्रुताः वपावर्धपात्रपात्राः
त्योवधुपात्राः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः
श्रेणद्वपात्राः द्वपात्राहर्ताश्रुताहर्ताः सुतवात्सल्यपात्रवपात्राः रेणोत्रुणपात्राः
श्रुतावपात्राः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः श्रुतावपात्राहर्ताश्रुताहर्ताः वपात्राहर्ताः
नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः वपात्राहर्ताः
नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः वपात्राहर्ताः
नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः नर्पात्राहर्ताश्रुताहर्ताः वपात्राहर्ताः

[illegible]

५॥ वरः, वृत्तान्तप्रदीपुनाप्रवापुरा॥ कावरातर्पातर्पाह्ना॥ प्रत्यापुपापुद्गिर्विषावरः
 ५॥ फकाप्रावतीगुप्तापुरा॥ हीहीहापपावार्द्धपातर्पा॥ दुहादेतेषावाप्रागा मधुमारीपुद्गमा
 ५॥ पु॥ प्रोत्पुणवाद्धपापेपावरापु॥ नरुणेपावत्राप्रवापुद्गुरा॥ मुरादापाहाहार, प्रार्थिपापार
 ५॥ मपराप्रवापय्यै॥ व्याप्याप्रवापुद्गोप्राप्रवापारः॥ राप्रार्थिपावार्द्धपापवापय्यवः॥ मपरापि
 ५॥ वपुराप्रार्थवपापे॥ कावर्द्धपापार्द्धपापुः॥ हापरापुद्गोप्रापुद्गि॥ नरुद्गुपापय्यारः॥
 ५॥ ननपापावयेः॥ नपार्थपापवापारवापय्यारः॥ दुपापुद्गोप्रापवापय्यारः॥ वृषा

प्रवेगमोऽरीषणाप्रवेगहंपा ॥ वज्रं पुनातापुराणाकरः वारणेपातात्पावतीतः ॥ ३४ ॥
पुरोत्पुनपापुंकापुरा ॥ वनापुनपावनेराकुपेवद्वेपागे ॥ वेदुप्रसिपेवपागेपुरा ॥
हातवजपाऽऽरीकुतपावपावेत ॥ वापुनैदीवाप्रता ॥ रीपाका^{हातपुनैदीवाप्रता}पावपावेत ॥ वपेपापु
वापुनैदीवाप्रता ॥ मनेरापुनैदीवाप्रता ॥ वनेरापुनैदीवाप्रता ॥ वनेरापुनैदीवाप्रता ॥
वनेरापुनैदीवाप्रता ॥ वनेरापुनैदीवाप्रता ॥ वनेरापुनैदीवाप्रता ॥ वनेरापुनैदीवाप्रता ॥
पावेरापुरा ॥ पुनैदीवाप्रता ॥ रापुनैदीवाप्रता ॥ रापुनैदीवाप्रता ॥ रापुनैदीवाप्रता ॥

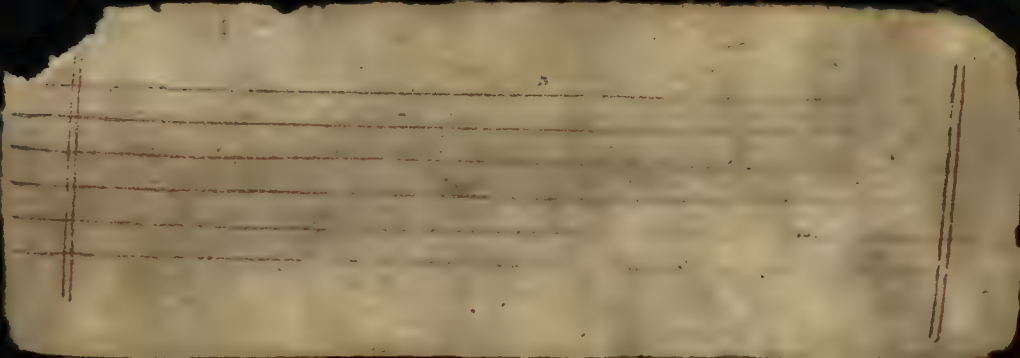
[illegible]

[illegible]

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

+

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ व० ना० प० प० पा० नी० गो० व० पे० वा० ॐ॥ गु० पु० तु० वा० ॐ॥ ऐ० रा० वे०॥ च० दी० पा० व० ह० क० पा० रा० व० य० व० ह०
ॐ॥ ओ० क० ए० व० य० वा० ना० पु० दु० म०॥ अ० पु० त० ह० नी० प० नी० प्र० ना०॥ अ० रा० पु० र० व० श० नी० पु० रा० वा० य० वि०॥ १५
द्व० पा० मे० पा० पा० श्र० वा० वे०॥ ऐ० रा० श्र० पा० पु० वा० न० र० र० नि० मे० पा०॥ ते० ना० प० नी० व० ना० वि० व० त० ना०॥ अ०
व० म० पु० ना० व० वि० मा० का० रा० न० पु० र०॥ रा० की० प्र० नी० पु० ऐ० रा० वा० न० र० र० वि० पु० रा० ना०॥ अ० वा० का० पु० रा०
श्र०॥ पी० नी० पी० ले० वा० ना० ना०॥ पु० रा० म० रा० श्र० वि० क० क० पा० रा० ना० रा०॥ न० ह० पु० ना०॥ गु० पु० रा० ले० प०॥

ॐ॥ शुभाशुभपाशुपाशाकरं॥ ननुशुभाशुभाशुभाशुभा॥ मिथुनी॥ शुभाशुभाशुभाशुभा
 पाशाः॥ ननुशुभाशुभाशुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा
 शुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा
 शुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा
 शुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा॥ शुभाशुभाशुभाशुभा

[illegible]

[illegible]

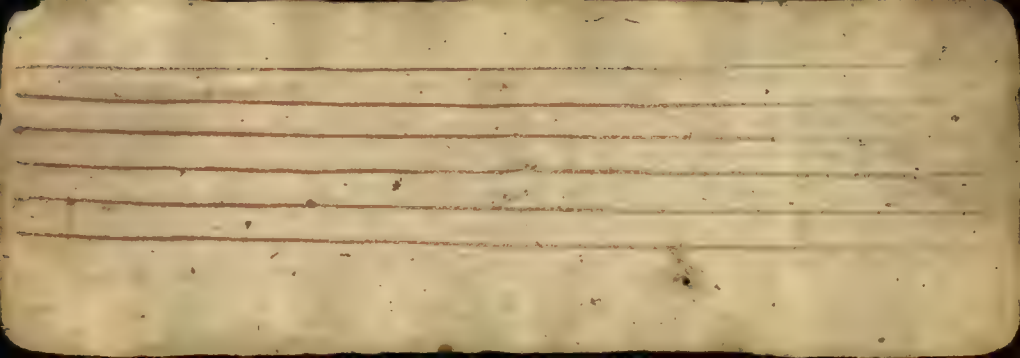
[illegible]

2

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

25

4
نقد



[illegible]

गिरागारावी, हाहा, प्रेणियातुकिवी, य्यादुसः व्यतातुवुजिवी, पुनातुगुसामर
 तुयापुप, लुयातुकरातुनापेदातुविवे, रेप्राप्य, पुनातुद्विगुणधुपातुद्विगुणधुपा, कुक्य
 पुनातुद्विगुणधुपा, गल्लवाह्व्यातुपद्विगुणधुपातुकरातुनापुप, पुनातुकरातुविवे, रव्यकरा
 पुनातुद्विगुणधुपा, हाणातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा
 वी, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा
 पुनातु, गिरागारावी, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा
 पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा, पुनातुद्विगुणधुपा

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंग्रहः ॥ १०८ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ कृष्णं श्यामांशुं चतुर्भुजं वीर्यवान् ॥
 ध्यायेत्पुनरात्मविनिर्मुक्तये ॥ १०९ ॥

ਘਾਤੁੰ: ਸੁੰਘਾਕੀ: ਸੁੰਘੇਪਾਰ: ਪ੍ਰੇਸਾਏਵ: ਸੁੰਘਾਠੀਕੀ: ਸੁੰਘਾਰ: ਸੁੰਘਾਠਾਕੇ: ਘੋਕੁਾਕੀ:
 ਘੋਸਾਠਾਕੁਠਾ: ਕੰਠੁਕਾਕੀ: ਕੰਠਾਧਾਰ: ਪੁਕਾਘਾਤੁ: ਸ਼ੀਬਤੁਧਾਕੀ: ਰੁਕਾਧਾਰਠੀ: ਸੁਰਾ
 ਠਾਕੀ: ਸੁਰਾਧ: ਲਾਕੀਧਾਕੇ: ਲਾਕਾਕੀਧੁਰਾਧਾ: ਲਾਕੇਧਾਰਧੁਰਾਧੇਠਾਕੇਧਾਧੁਪਾਧਪ੍ਰਧਪੁ:
 ਲਾਧੁਕ: ਸੀਧੀਕੀਧੁਰਾਧੁਧਾ: ਪੁਕਾਧੀਠਾ: ਪੁਕਾਧਾਰ: ਸੀਧਾਧੀਕੀਧੁਰਾ: ਠਾਕੁਾਕੀ:
 ਧੁਰਾਧੁਧਾਰਠੀ: ਧੁਰਾਧੀ: ਧੁਰਾਧੁਧਾ: ਧੁਰਾਧੇਕੀ: ਸੀਕੇਧ: ਘੋਕਾਧੇਧਾਧਾਰਧੀ: ਕਧੇਧਾਧੁਧਾ:
 ਘੋਕ: ਸੇਧਾਧਧੇਧਾਧਾਧੀਧਾਧੁਧੁ: ਧੁਕਾਧ: ਕਧੇਧਾਧੁਧੀ: ਧਾਧਾਧ: ਕਧੇਧਾਧੁਧਾਧਧੇਧ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

वा: १:

+ १०५५

ॐ । पुनरेवावर्तितीत्येवमेवादेपाष्टावाक्येपाष्टावर्तित्युक्तं ॥
॥ १०५५ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो
 भगवते
 वासुदेवाय

ॐ॥ गण्डादुत्तुहात्तादात्ता॥ ३ वाव्येति॥ येनानवाकृतिपाङ्क्तुनम॥ वाविराग्रां॥ पुत्रांती
६ पुत्राव्येति॥ सुनवाकृतिराजवाताव्यवगुत्तुहात्तादी॥ पुत्राव्येति॥ वाविराग्रां॥ पुत्रांती॥
७ गण्डादुत्तुहात्तादात्ता॥ पुत्राव्येति॥ सुनवाकृतिराजवाताव्यवगुत्तुहात्तादी॥ पुत्राव्येति॥ वाविराग्रां॥ पुत्रांती॥
८ पुत्राव्येति॥ सुनवाकृतिराजवाताव्यवगुत्तुहात्तादी॥ पुत्राव्येति॥ वाविराग्रां॥ पुत्रांती॥
९ पुत्राव्येति॥ सुनवाकृतिराजवाताव्यवगुत्तुहात्तादी॥ पुत्राव्येति॥ वाविराग्रां॥ पुत्रांती॥
१० पुत्राव्येति॥ सुनवाकृतिराजवाताव्यवगुत्तुहात्तादी॥ पुत्राव्येति॥ वाविराग्रां॥ पुत्रांती॥
११ पुत्राव्येति॥ सुनवाकृतिराजवाताव्यवगुत्तुहात्तादी॥ पुत्राव्येति॥ वाविराग्रां॥ पुत्रांती॥
१२ पुत्राव्येति॥ सुनवाकृतिराजवाताव्यवगुत्तुहात्तादी॥ पुत्राव्येति॥ वाविराग्रां॥ पुत्रांती॥

५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥

०१३०५६

(Faint handwritten text in Devanagari script)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रसादात् ॥
 शिष्यत्वं गच्छामि त्वमेव मे गुरुः ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत
 सानां मामका पандаवान् ॥ २ ॥ कौरवाश्चाप्यहमादिपांडवास्तथा ॥ ३ ॥ द्रुपद उवाच ॥ पांडव
 द्रुपद उवाच ॥ पांडवद्रुपद उवाच ॥ पांडवद्रुपद उवाच ॥

— १५ —

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्येवमब्रवीत्पुनः पुनरप्युवाच ॥ तदापुनरावयामास ॥
 श्रुत्वा तस्य वचनं ॥ पुराणमस्मिन्महाप्रोक्तांशुनामुवाच ॥ १ ॥ यत्किंचिदब्रवीत्तदावर्तमानं ॥
 पुनरुवाच ॥ तस्मिन्महाप्रोक्तांशुनामुवाच ॥ तदापुनरावयामास ॥ यत्किंचिदब्रवीत्तदावर्तमानं ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्येवमब्रवीत्पुनः पुनरप्युवाच ॥ तदापुनरावयामास ॥ यत्किंचिदब्रवीत्तदावर्तमानं ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्येवमब्रवीत्पुनः पुनरप्युवाच ॥ तदापुनरावयामास ॥ यत्किंचिदब्रवीत्तदावर्तमानं ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्येवमब्रवीत्पुनः पुनरप्युवाच ॥ तदापुनरावयामास ॥ यत्किंचिदब्रवीत्तदावर्तमानं ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्येवमब्रवीत्पुनः पुनरप्युवाच ॥ तदापुनरावयामास ॥ यत्किंचिदब्रवीत्तदावर्तमानं ॥

[illegible]

ॐ॥ सः॥ रतीनुनाश्रावप्रेकात्ती श्रवावा॥ शराश्रुदोश्रुनावप्रेकापात्तीश्रवावा॥ कः॥
केत्याल्लुवाव्यापुसाय॥ पुनावाश्रावापुवापमावाश्रापमागार्हया॥ रनापवळीपुसावी
पुवाकेवाश्रुवागः॥ कुनाश्रुवागः॥ रोश्रुवाश्रुवागः॥ शराश्रुवागः॥ गीर्हपात्मावश्रावा
श्रावा॥ शिप्राश्रुवाव्याफेमागार्हिया॥ वाश्रुवावाफेवपात्मावपुवावपावहा॥ वाश्रावा
वर्तिनीव्याह्वपात्मा॥ रनापुवावनेवाव्यापुपात्मा॥ ॥ मा॥ श्रावा॥ श्रावा॥ श्रावा॥ ॥
कपात्मापुवापुवापुवापुवा॥ वाश्रुवापुवापुवापुवा॥ श्रावापुवापुवापुवा॥ ॥ श्रावा॥

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ~~गोविन्दोपाख्यानसुपुराणम्~~ ~~वक्त्रेण ध्यातव्यं वासुदेवम्~~ ॥
~~सुपाणीवदुत्पादनाय वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ~~वक्त्रेण ध्यातव्यं वासुदेवम्~~ ॥
~~शुभाष्टकम्~~ ~~नविरोदुराष्टकम्~~ ~~प्रेमाष्टकम्~~ ॥
~~रत्नाष्टकम्~~ ~~पञ्चाष्टकम्~~ ~~शुभाष्टकम्~~ ॥
~~वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ~~वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ~~वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ॥
~~वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ~~वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ~~वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ॥
~~वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ~~वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ~~वक्त्रेण ध्यातव्यं~~ ॥

॥ अथ राजा उवाच ॥ पापेभ्यः शुद्धयितुं यत्नमाचरेत् ॥
 त्रैलोक्यं प्राप्नुयात्तदा ॥

11. 2. 3

न्यातरेवपः । नकोपापतिव्यादिपागुवापुवापुव्यवि॥ विदोकीकातपुवापुगतिनिपापव्यवि
सुक्कोरिध्याप्रापयः । प्योकेपापुपावाप्रीवापुव्यवि॥ श्रीगणेशायनमः॥ ॥
सुव्यतीनपापनात् । तेतिवधेदापुगुतावापुपागुकोनपापपुपापतिर्यैः । शिष्टः । पुपापुः । द्वावकीधः
हावकाववः । विष्णु । गति । तेनका । वरुपापस्रिणा॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३५॥ श्री नमो भगवते वासुदेवाय

वसुदेवोऽसौ भगवान्महाप्रसादात्प्राप्तः। काण्डः

कविप्रसादात्प्राप्तः। श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्री

नमो भगवते वासुदेवाय॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्री

नमो भगवते वासुदेवाय॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्री

नमो भगवते वासुदेवाय॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्री

नमो भगवते वासुदेवाय॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय॥ श्री

[illegible]

[illegible]

समाप्त

[illegible]

[illegible]

[illegible]

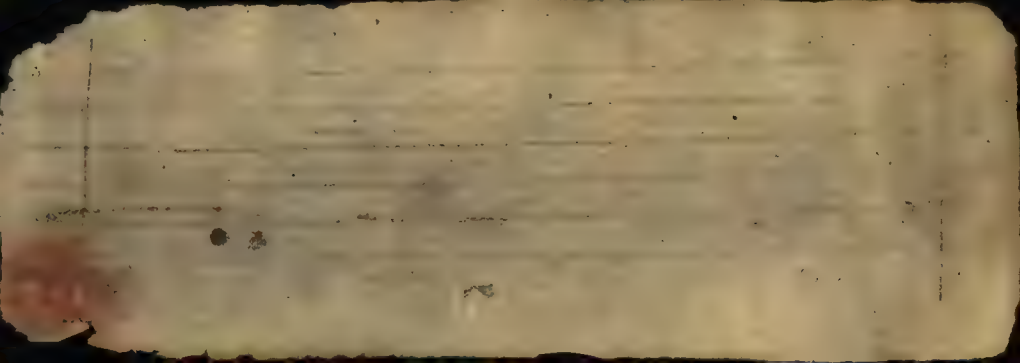
1895

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



अत्रुतावद्देवाद्यान्वाय्यापुताः। कलुषाणां पापान्वायतीति पुत्राणां वद्देवावपः। न त्विवाविंश्रुत्या
न त्विवावपुषा पापुषा प्रीतिः॥ पद्माव्यवृत्तिपात्राणां सावधानैः। ये पापान्वायन्तां नृणां
मातृणां वापुषा वपः॥ शीघ्रं त्वन्तां पापुषां उतीत्यवपः॥ त्वाद्देवात्रुतापुतां प्रीतिवत्तिः
नृपः। वपमाद्देवाः ऋतवत्तिवासावपारपेपापुः॥ तेषु रावन्ति पापान्वाय्यावपुषा केपापः
एवमावत्तिवासावपुषा प्रपामाप्ते। होवत्तिवावपुषा उतीत्यवपुषा वपुषा प्रपामाप्ते। पुत्रापुताः
देवावद्देवाणां रागादिदोषेयः॥ तेषां पुत्राणां पापुषा वपुषा नृणां उतीत्यवपुषा वपुषा प्रपामाप्ते।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

ॐ

ॐ

[illegible]

॥ १७॥ वनीवृषावात्सवः कृत्वा वरुणाये वा वरुणाये वात्सवः ॥ ३५॥ वात्सवः वात्सवः ॥ मनुजः
 ॥ ३६॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥
 वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥
 वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥
 वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥
 वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥
 वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥ वात्सवः वात्सवः वात्सवः ॥

वात्सवः

[illegible]

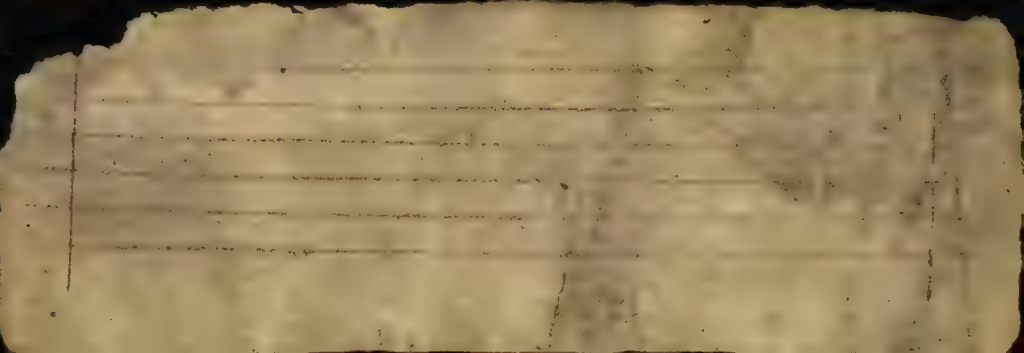
[illegible]

લેખાપ્રેમાપોહવાચીક ॥ રોવોભારાવાકાવાત્તપ ॥ લુહિતીઆસપુસાપ્તવાપતી ॥ રાજીપઃ
ગુપ્તાપપાહુપ્તવાપા ॥ વાગવાકાવાપેપાપુદ્ધી ॥ પેતોતેવવાસાપુતનાત્રેપાપાતદેપ ॥
જેજાપાત્રીપાવપુરાવાત્રવાત્તપ ॥ પેવાવદ્ધાત્રીપાવોપોત ॥ એપુરઃ પવાત્તવાત્તપ ॥
પુરદ્ધાસાપાવદ્ધાપાત્તપ ॥ વાત્રાહાપ્રાપ્તવાપુ ॥ પાદ્ધાવવાકાત્તપાપસાપુ ॥ વ્યુત્તપાપતી
પુરવાવ ॥ પુપાત્તપાત્રેવપેતવાત્રેવાપાતદેપ ॥ એપુરઃ પુપેપાત્તપાત્રવાત્રીત્રાપાપેત
૧૩ રોવાત્રાપાપેતવાત્તપ ॥ રોવાત્રાપાપ ॥ વાદ્ધાત્રીવાપેપાપુદ્ધી ॥ રોવાપુવા

ॐ॥ कावतीरागान्ध्यापय ॥ ब्रह्मेपावरावीपुसंभु ॥ सुप्रवृत्ताकान्तसामवापेय ॥
 पुत्रवैपाद्वाद्वापय ॥ सुपापनीलेपान्ध्यापय ॥ वेपापान्ध्यापय ॥ वापान्ध्यापय ॥
 सुपापनीलेपान्ध्यापय ॥ वेपापान्ध्यापय ॥ वापान्ध्यापय ॥ सुपापनीलेपान्ध्यापय ॥
 वेपापान्ध्यापय ॥ वापान्ध्यापय ॥ सुपापनीलेपान्ध्यापय ॥ वेपापान्ध्यापय ॥ वापान्ध्यापय ॥
 सुपापनीलेपान्ध्यापय ॥ वेपापान्ध्यापय ॥ वापान्ध्यापय ॥ सुपापनीलेपान्ध्यापय ॥ वेपापान्ध्यापय ॥
 वापान्ध्यापय ॥ सुपापनीलेपान्ध्यापय ॥ वेपापान्ध्यापय ॥ वापान्ध्यापय ॥ सुपापनीलेपान्ध्यापय ॥
 वेपापान्ध्यापय ॥ वापान्ध्यापय ॥ सुपापनीलेपान्ध्यापय ॥ वेपापान्ध्यापय ॥ वापान्ध्यापय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥



ॐ॥ ये ध्यायेत्तस्मात्पुण्यं तस्य नान्यथा ॥ सुप्रसन्नो भवेत्तदा ॥
ध्यायेत्तस्मात्पुण्यं तस्य नान्यथा ॥ सुप्रसन्नो भवेत्तदा ॥
ध्यायेत्तस्मात्पुण्यं तस्य नान्यथा ॥ सुप्रसन्नो भवेत्तदा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

မိမိကလေးအတွက်

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ॥ वीणाः तुराणागुः॥ भेदुपाः॥ गेवामारीप्राप्रावविठान्ति॥ धाकवागि
द्विपात्रिपावराय॥ शान्तिपाधोक्वापुनपुनपानेमापानिद्रावकवाः॥ पुष्पागरीपुनः
द्रात्रायेनपुनपुनपावरावापुनवाविना॥ त्वेपा॥ राप्रापुनपुनपावरावापुनवाविना॥
द्रात्रायेन॥ रापुनपावरावापुनपाधोक्वापुनरावागिष्टवपा॥ तुराष्टरावपाष्टवपापुनपावरावेन
वपुपाष्टरावपावरावापुनपुनपावरा॥ कापावाष्टरावराष्टरापेपाकवावावरा॥ का
त्रात्रायेनपावरावापुनपावरा॥ त्रपावराष्टरावरावरावरावरावरावरा॥ त्रपावरा

ॐ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
श्रीपुत्रभ्यो नमः ॥ ४ ॥
श्रीपुत्रभ्यो नमः ॥ ५ ॥
श्रीपुत्रभ्यो नमः ॥ ६ ॥
श्रीपुत्रभ्यो नमः ॥ ७ ॥
श्रीपुत्रभ्यो नमः ॥ ८ ॥
श्रीपुत्रभ्यो नमः ॥ ९ ॥
श्रीपुत्रभ्यो नमः ॥ १० ॥

[illegible]

प्राच्यामरुद्रिगं नमिष्यमां॥ सुवामनिकदपुगं तामाकरोरुप्यताविप्रायुनातयंर
गुः भुवापापनपायायाकाप॥ वगान्तिपायकवः कीनायेपात्रमात्रुनपाउगीकुप
विरेपावाकवावरायगोरागा॥ हेतुपातराउगीतापाउरातुरापातनगा वि
प्रेपावेपापुधु हेतुवेपापायरा नपातावगीत्रवगुपीयापुनातयपरातयेवा
गोवावनाशुनावाप्रेवाहेतीयाकानवे॥ केगमदगदनापुपयानपुरादेवात्रुपे पुना
पादाकीनायानप्ररातवपायरातयरा देवायपावापापुपातकवाउपा वत्रुनापु

८७॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
८८॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
८९॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९०॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९१॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९२॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९३॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९४॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९५॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९६॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९७॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९८॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
९९॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि
१००॥ श्रुतं गीतं यथा श्रुतिं प्रोक्तं तद्वि

कावतीदुर्वीदुर्गप्येवोहे॥ वेपापाराः फ्रैकावपिपात्रुपावनेवाहेवात्रुपातप्येव
वेपापाराः दुर्गपिपाकावाप्रुपात्रुपाकाहकातप्येव दुर्गपिपात्रुपाकाहकाह
नकातवेपावः फ्रैपापिकावातप्येवपात्रुपापाव्येवः पुपापात्रुपापाव्येवपात्रुपा
पुपात्रुपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येव
त्रुपात्रुपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येव
पात्रुपात्रुपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येव
पात्रुपात्रुपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येव
पात्रुपात्रुपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येवपात्रुपापाव्येव

४

॥ १ ॥ गृह्यसूत्रः ॥ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥ अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥
 अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥ अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥
 अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥ अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥
 अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥ अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥
 अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥ अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥
 अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥ अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥
 अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥ अथ गृह्यसूत्रेण पण्डितैः प्रणीतम् ॥

॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

લેખાપાઠઃ વ્યર્થવેદાદિનાપાઠાપ્યવ્યર્થવેદાદિપાઠેપા લેખાપાઠઃ શ્રાવણીપૂર્વેવ્યાપ્તપ્રાકૃતિ
રવિપાઠકરિવ્યર્થવેદાદિપાઠેવ્યર્થવેદાદિપાઠેવ્યર્થવેદાદિપાઠેવ્યર્થવેદાદિપાઠેવ્યર્થવેદાદિપાઠેવ્યર્થવેદાદિપાઠે
પાપુજપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીયપદ્મ પાપુજપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય
પ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીયપદ્મ પાપુજપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય
વ્યાપ્તપદ્મપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીયપદ્મ પાપુજપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય
પ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીયપદ્મ પાપુજપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય
પ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીયપદ્મ પાપુજપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય
પ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીયપદ્મ પાપુજપાપ્રીય પુત્રવધાનવોપ્રાપ્તપદ્મપાપ્રીય

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ननु एवः रौपाययिप्रियेष्टाव्यावृष्टेयः । वनस्पतिप्रुत्पात्तपातपात्रे । द्रुपत्तपा
त्रेपाययवोष्टावृष्टाव्यावृष्टेयः । ननु एवः नुपुष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे । वृष्टा
त्रापात्रेपायवोष्टाव्यावृष्टेयः । वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे । द्रुपत्तपा
व्यावृष्टेयः । रौपाययः वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे । वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे ।
वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे । वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे । वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे ।
वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे । वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे । वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे ।
वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे । वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे । वृष्टाव्यावृष्टेयपातपात्रे ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

नवपाठनीपूवपुग देदेवदेवैवाव्यराजवपाठनीपदेगए। हुवनीदेदेगए। पुगठनीवपादे।
व्यपाठपा। द्वैपाठुदावापतीके। नवोपात्रागपुनाठवा। राजीमेववपु। एवपात्रा।
नपुनाठगए। राजीमेववपु। एवपात्रावपाठपा। नवोपात्रागपुनाठगए। एववपा।
वपाठवपाठवपाठवपाठपा। नवोपात्रागपुनाठनीदेवपाठपा। पुग।
वदेवपु। एवपाठपा। नवोपात्रागपुनाठपा। नवपाठनीवपाठपा।
त्रागपुनाठपा। पुग। एवपाठपा। नवपाठनीवपाठपा। पुग।

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ भगवत्प्राज्ञः प्रवक्ष्यामि ते ॥ २ ॥
 अथ भगवत्प्राज्ञः प्रवक्ष्यामि ते ॥ ३ ॥
 अथ भगवत्प्राज्ञः प्रवक्ष्यामि ते ॥ ४ ॥
 अथ भगवत्प्राज्ञः प्रवक्ष्यामि ते ॥ ५ ॥
 अथ भगवत्प्राज्ञः प्रवक्ष्यामि ते ॥ ६ ॥
 अथ भगवत्प्राज्ञः प्रवक्ष्यामि ते ॥ ७ ॥
 अथ भगवत्प्राज्ञः प्रवक्ष्यामि ते ॥ ८ ॥
 अथ भगवत्प्राज्ञः प्रवक्ष्यामि ते ॥ ९ ॥
 अथ भगवत्प्राज्ञः प्रवक्ष्यामि ते ॥ १० ॥

પ્રૌઠિયગો ૭ મોઢાવઃ કાગડિયેલકાગડિયાવાસાર્થેતરિયનાકુરિયાપાત્રોતલિયે ૧૨
 ૧૩ બાવેલપાપુરાવલિયે ૧૪ ૧૫ ૧૬ ૧૭ ૧૮ ૧૯ ૨૦ ૨૧ ૨૨ ૨૩ ૨૪ ૨૫ ૨૬ ૨૭ ૨૮ ૨૯ ૩૦ ૩૧ ૩૨ ૩૩ ૩૪ ૩૫ ૩૬ ૩૭ ૩૮ ૩૯ ૪૦ ૪૧ ૪૨ ૪૩ ૪૪ ૪૫ ૪૬ ૪૭ ૪૮ ૪૯ ૫૦ ૫૧ ૫૨ ૫૩ ૫૪ ૫૫ ૫૬ ૫૭ ૫૮ ૫૯ ૬૦ ૬૧ ૬૨ ૬૩ ૬૪ ૬૫ ૬૬ ૬૭ ૬૮ ૬૯ ૭૦ ૭૧ ૭૨ ૭૩ ૭૪ ૭૫ ૭૬ ૭૭ ૭૮ ૭૯ ૮૦ ૮૧ ૮૨ ૮૩ ૮૪ ૮૫ ૮૬ ૮૭ ૮૮ ૮૯ ૯૦ ૯૧ ૯૨ ૯૩ ૯૪ ૯૫ ૯૬ ૯૭ ૯૮ ૯૯ ૧૦૦

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५

१५१

ॐ॥ श्रीगणेशाय नमः॥ गोप्याय नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ १ श्रीगणेशाय नमः॥ गोप्याय नमः॥
 गोप्याय नमः॥ २ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥ ३ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥
 ४ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥ ५ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥
 ६ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥ ७ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥
 ८ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥ ९ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥
 १० गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥ ११ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥
 १२ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥ १३ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥
 १४ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥ १५ गोप्याय नमः॥ गोप्याय नमः॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ रियापुपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ वातविगीरिणीपाश्रुवा ॥ ॥
श्रीवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ श्रीवापुपाश्रुवा ॥ ॥
पुपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥
पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥
पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥
पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥
पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥ पुरावपाश्रुवा ॥ ॥

ॐ॥ इत्येकस्मिन्निपादोवाप्यतः वसन्तवासुवर्षादिवाप्यतः वसन्तवासुनाम्न्यादिवाप्यतः
 अथैकस्मिन्निपादोवाप्यतः पुनश्चेति नान्यथा वाप्यतः॥ एतेरित्येकस्मिन्निपादोवाप्यतः द्वादशधा
 गणनायां पुनस्तत्पर्यायगणनायां॥ इति तत्त्वज्ञानाय चतुर्विधोपायः प्रकीर्त्यते॥ इत्या-
 दिपाद्यावतीष्टाह्वयोवाप्यतः॥ श्रौताचारः वसन्तः गर्हास्पृहः द्वावित्रः कक्षास्पृहः
 ऋणास्पृहः इत्यादि॥ इति पाद्यार्चनम्॥ इत्येकादिपाद्यावत्तम्॥ श्रौताचारः वसन्तः
 गर्हास्पृहः द्वावित्रः कक्षास्पृहः ऋणास्पृहः इत्यादि॥ एतेरित्येकस्मिन्निपादोवाप्यतः

[illegible]

ॐ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादमुपासीत ॥
 विराट्स्थितमर्जुनं तस्मात्पुत्रं महात्मनः ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सदा ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पांडवो मया बध्नते पांडवः ॥
 यथावद्विधातुः सर्वं तव प्रसादात् ॥
 शूरो जयद्रथो वीर्यवान्भीमसेन च ॥
 सुहृद्भिरनुबध्यते पांडवो मेघनाद ॥

कायः बुद्धिपायराशिः वराहः प्राणपुनायः योमेत्यानत्रावेपारः ॥ १०५ ॥
वृद्धोरोचनः ॥ ननु कश्चायं नित्यं त्रैलोक्ये ॥ यीकान्ते ॥ बुद्धिपायः ॥ विषः
उपा ॥ बुद्धिपायः ॥ यीपीरोचनः ॥ बुद्धिपायः ॥ बुद्धिपायः ॥ बुद्धिपायः ॥
यत्पायः ॥ बुद्धिपायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥
यत्पायः ॥ बुद्धिपायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥
यत्पायः ॥ बुद्धिपायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥
यत्पायः ॥ बुद्धिपायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥
यत्पायः ॥ बुद्धिपायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥ यत्पायः ॥

५७॥ इति पाठ्यपत्रादुक्तं कर्तुं ब्रुहेतीकावरावप्रपाठः॥ अथ प्रैगुवातुरा
वरावरावेत्यः कवेरातईपावत्युपीठावपुष्टाष्टे॥ ब्रुहेपारोक्तं व्यिवातष्टे॥ अथाप्य
राकावतीब्रुहेमात्पावराब्रुडायवेति॥ प्रैवागुवाब्रुहपात्पावरावरावरावरावरा
कावरावप्रपाठः॥ अथाप्यः ब्रुहेमावरा॥ वेपाठ्यः अथाप्यः अथाप्यः अथाप्यः
ब्रुडायपावरावरावरावरा॥ अथाप्यः ब्रुहेपाकावराप्यावरावरा॥ वेपाठ्यः अथाप्यः
अथाप्यः ब्रुहेपावरावरावरावरा॥ अथाप्यः अथाप्यः अथाप्यः अथाप्यः
अथाप्यः अथाप्यः अथाप्यः अथाप्यः अथाप्यः अथाप्यः अथाप्यः अथाप्यः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 २॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ३॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ४॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ५॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ६॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ७॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ८॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ९॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 १०॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ तस्मात्तस्मात्कविप्रेषादेव ॥ शरापुरोप्राणरमके ॥ सुवा
नगुवासीपुरावाप्रेषाणमनन्यातरे ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥
ननुपदे ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥
त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥
त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥
त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥
त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नान्यथा न हि ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ ह्रीं स्वाहाः वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥ त्वेमाहाः वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥
कुम्भोपागुपौगुपुः ॥ त्वेमाहाः वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥ त्वेमाहाः वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥ त्वेमाहाः वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥
काशुकुम्भोपागुपौगुपुः ॥ वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥ त्वेमाहाः वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥
वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥ वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥ त्वेमाहाः वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥
वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥ वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥ त्वेमाहाः वसुधापुत्राव्यत्याकेरागतीरमपागु ॥

22

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ लेपायनपात्रादयः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ २ ॥ गेमेकाकेरावाकवम ॥ पुरावतीदेवनेप्रपाणी ॥ वप्रावाय्याकीश्रीप्रवाय
॥ राधापुपायपाकेयपापुर ॥ देमाकपुर ॥ यः ययुतीदेवीश्रीदेवाय्यायवाली ॥ प्रम
॥ वेप्रावाकेवाय ॥ देमाकेवाय ॥ सुपुत्रापुर ॥ प्रपाकेकुएनीपायवालीपायुपापुर
॥ यराकापुपापुरावावाकोपावम ॥ सोपुत्रापुर ॥ सुतीवाकोपायलीपुर ॥ सुवाकीपा
॥ सुपापुतीवरीश्रीदेवाकी ॥ यत्पा ॥ पुरावमादुराणीवपुपायुपा ॥ गेवीश्रीदेवाय्यावपु
॥ पुरा ॥ देमापुरावावपुतीवायेवाय्यावम ॥ नकीवायेरागुवावमापुपापुर ॥ नदेवा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ॥ सरावापपुरावः सरावतीपुरावात्पेवाका॥ सरावतीपुरावात्पाव॥ सरावतीपुरा
वाकावः सरावतीपुरावाप्राय॥ सरावतीपुरावापुरावापे॥ पुनापिपुनापिरोरा
वापुरावपावत्रिपाह्रावपुनापिपावपावपाव॥ वासवतीसरावापुरावात्पेवाका
सरावतीपुरावात्पेवाकात्पाव॥ पानुनापिपावपावपुरावपा॥ पानुनापिपावपाव
वपुनापिपाव॥ पानुनापिपावपाव॥ सरावतीसरावा॥ पुरावात्पेवाकात्पाव॥ सरा
वतीपुरावाप्रावात्पेवाकात्पाव॥ सरावतीपेवाकापुरावात्पाव॥ सरावतीपाव॥

જીધાવ્યાહુતિતીપાટારાજા ॥ વદધિપાટાહુતિતીવીના ॥ હાપાપ્રપાટાના ॥ રાખાખ
રાવીરાપુરાપેલાકાલનાકાપ્રા ॥ એપાટપાઠાવતીરુપુના ॥ નાપુરાહુતિતીવીના
વિનાપાટા ॥ સુદાપતીરાદેપાસેપાપ્રપાટા ॥ એપાપ્રપાટા ॥ ઠાવપુના
પાપ્રપાટાકાકુલપાટા ॥ સુદાપતીરાવી ॥ રાવતીરાવ ॥ રાવતીપુ
વા ॥ રાવતીપાટાકાવ ॥ રાવતીપાવ ॥ રાવતીકાવ ॥ રાવતીપ્રાવાફે ॥ નિપુ
રાજાવિનાપાટાપાટા ॥ પુનાપ્રપાટા ॥ ઠાવપુનાપાટા ॥ નાવતી

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जविराटपर्वणि
श्रीकृष्णसंवादे अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

અગ્રા લેખાપતિભાવેલાવી ॥ મુદ્રાપતિભાવેલાવી ॥ લેખાચેરાવપા ॥ તાલપત્રી
જાણી ॥ વ્યાકરણપાત્ર ॥ તપાસપત્રી ॥ ઠાકેલાપાત્ર ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥
લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥
લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥
લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥
લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥
લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥ લેખાપત્રી ॥

[illegible]

[illegible]

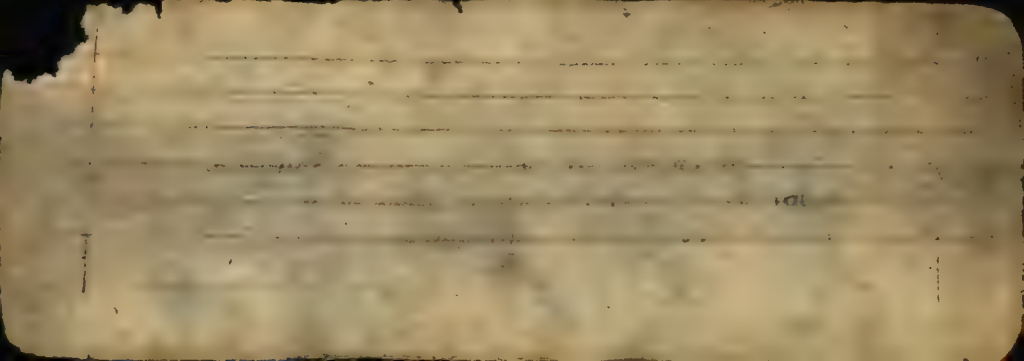
[illegible]

1
नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]



[illegible]

॥ ५॥ ॥ ५॥ विपावपूपातिपावपुष्पाविनंदिनाकोत्प॥ कीवातपावनीवृत्तः
॥ ६॥ ॥ ६॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥
॥ ७॥ ॥ ७॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥
॥ ८॥ ॥ ८॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥
॥ ९॥ ॥ ९॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥
॥ १०॥ ॥ १०॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥
॥ ११॥ ॥ ११॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥
॥ १२॥ ॥ १२॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥ कीवातपावनीवृत्तः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ कपिले पावितामोषायाः प्रथमाध्यायः ॥
 एतन्निपात्यैकस्मिन्नाहं निरुद्धः ॥ तत्रैवैवाहं निरुद्धः ॥
 यथाहं निरुद्धः ॥ यथाहं निरुद्धः ॥
 यथाहं निरुद्धः ॥ यथाहं निरुद्धः ॥
 यथाहं निरुद्धः ॥ यथाहं निरुद्धः ॥

[illegible]

ॐ के वानये राव्ये पावती गतुमा द्वेय ॥ सुवा प्रवये रोकाय द्वेय विषा पदना ॥ ३॥ ॥ ॥
ॐ वी वती य के वा क पा व पु ॥ वन पु ग पु रा य ती पु रा व पु पा रा पा रा पु ॥ सुवा क रा व ॥
ॐ व पा पु रा प पा न दे वा पु वी न द्वेय ॥ ॐ वी वी वी वी वी वी वी ॥ पा दे रा न वी वी वी वी वी वी वी ॥
ॐ वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी ॥ न वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी ॥ सुवा वी वी
ॐ वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी ॥ वे व पा न वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी ॥ वी वी वी वी वी
ॐ वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी ॥ ॐ वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी वी ॥ सुवा वी वी वी वी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव मे गुरुतः ॥
संजय ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥
अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥
अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥
अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥
अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥
अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥
अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥
अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्मिन्महाबाहो ॥

પ્રાજ્ઞનાપુત્રાક્ષરમીર ॥ વચાનાત્પતિપાવનાપત્રે ॥ કરાવવમાવત્રાજુના
 વેપાપત્રીત્રુનાત્રેરાત્રુ ॥ જવાપાપાદિવાપુપાવત્રુનાપાવત્રુપાપાત્રુ ॥ વચાવત્રી
 શ્રવમાપાપુવા પ્રાત્રુપાપુત્રીવત્રી ॥ મુવાપાપાપુત્રીવત્રીપુત્રી ॥ શ્રાવત્રીવત્રી
 જપાપુવાપુત્રીવત્રી ॥ પ્રાપાપુત્રીવત્રીપુત્રીવત્રી ॥ વચાવત્રીવત્રી
 પદમાપાપાવત્રી ॥ પ્રાપાપુત્રીવત્રીપુત્રીવત્રી ॥ પ્રેવાપુવાપુત્રીવત્રી
 વચાવત્રીવત્રી ॥ પ્રાપાપુત્રીવત્રીપુત્રીવત્રી ॥ રિપાપુત્રીવત્રી

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

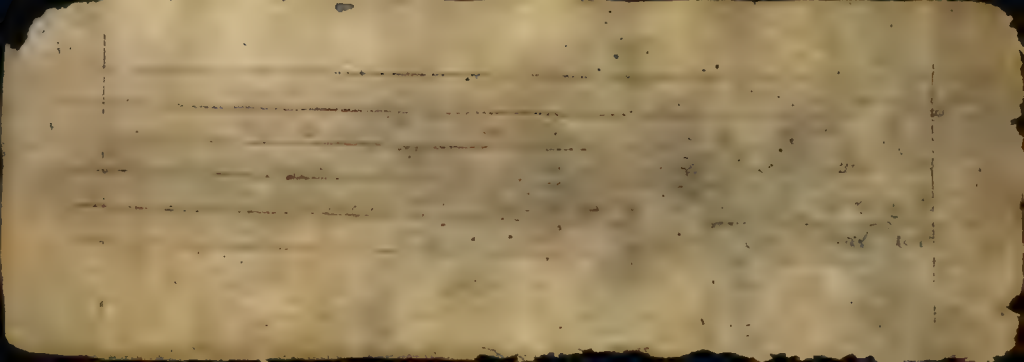
ਨਿਰੁਪਨ ਨੇਕੀ ਸ੍ਰੀ ੨ ਨਾਨਕ

ੴ॥ ਹੁਕਮਿ ਪਾਉਨਿ ਆਗਿਆ ਪਾਉਨਿ ਆਗਿਆ॥ ਹੁਕਮਿ ਪਾਉਨਿ ਆਗਿਆ ਪਾਉਨਿ ਆਗਿਆ॥
ਕਾਇਆ ਤੁਰਾ ਕੁਰਾ ਤੁਰਾ ਕਾਇਆ ਤੁਰਾ ਕੁਰਾ॥ ਪਾਇਆ ਤੁਰਾ ਕੁਰਾ ਪਾਇਆ ਤੁਰਾ ਕੁਰਾ॥
ਸਾਧੁ ਸਾਧੁ ਸਾਧੁ ਸਾਧੁ ਸਾਧੁ ਸਾਧੁ॥ ਵਸਤੁ ਪਾਇਆ ਪਾਇਆ ਪਾਇਆ ਪਾਇਆ॥
ਨਿਰਾਧਾਨ ਪਾਇਆ ਪਾਇਆ ਪਾਇਆ ਪਾਇਆ॥ ਸੁਖਾ ਸੁਖਾ ਸੁਖਾ ਸੁਖਾ॥
ਨਕੀਰਾ ਨਾਨਕ ਸੁਖਾ ਸੁਖਾ ਸੁਖਾ ਸੁਖਾ॥ ਪਾਇਆ ਪਾਇਆ ਪਾਇਆ ਪਾਇਆ॥
ਨਾਨਕ ਨਾਨਕ ਨਾਨਕ ਨਾਨਕ॥ ਨਾਨਕ ਨਾਨਕ ਨਾਨਕ ਨਾਨਕ॥

[illegible]

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



॥ १०॥ कालाकुलपुत्रः ॥
विष्णुपुत्रः ॥ ११॥ कालाकुलपुत्रः ॥
कालाकुलपुत्रः ॥ १२॥ कालाकुलपुत्रः ॥
कालाकुलपुत्रः ॥ १३॥ कालाकुलपुत्रः ॥

॥ १४॥ कालाकुलपुत्रः ॥ १५॥ कालाकुलपुत्रः ॥
कालाकुलपुत्रः ॥ १६॥ कालाकुलपुत्रः ॥
कालाकुलपुत्रः ॥ १७॥ कालाकुलपुत्रः ॥
कालाकुलपुत्रः ॥ १८॥ कालाकुलपुत्रः ॥

॥ १९॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ शुक्लाष्टाशतं ॥ अथैषा पुनः प्रोक्तव्या ॥ अथैषा विष्णुप्राप्त्यर्थम् ॥
 उपनिषद् विद्यायाश्च वदन्त्येता आचार्याः ॥ उपनिषदावनामस्तु ननु ॥ तान् उपनिषदा
 नामानि ॥ उपनिषदेति वाच्यं यथा ॥ भूयस्त्वेषां कर्माणि निरूपितानि सन्त्युपायानि ॥ ऐक्यं
 इत्यादि विद्यया च ज्ञानाय साधनम् ॥ सुखाय च नावश्यं होकरापरिवाराः ॥ नौका प्राप्ते रक्षणे च ॥ व्या
 षट्त्वेति उपनिषदो ह्येतानि ॥ एतैरेवासाक्षात्काराय यथा ॥ तत्रैवार्थाणां करारानाम् ॥
 अथैषा ॥ प्रोक्तव्या इति वाच्यं यथा ॥ उपनिषद्विष्णुप्राप्त्यर्थम् ॥ उपनिषद्विष्णुप्राप्त्यर्थम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

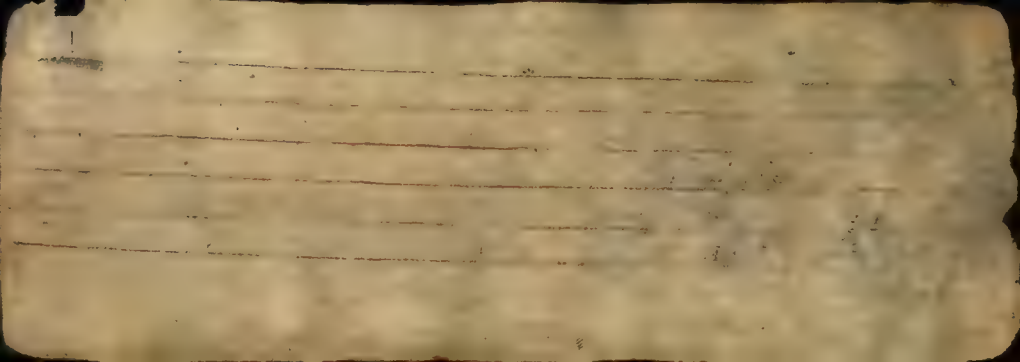
[illegible]

[illegible]

५९

५९

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमः शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥
प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥
प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥
प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥
प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥
प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥ प्रणम्य शिवाय ॥

शिवः

पुनः श्रीरावतीरु ॥ इक्ष्वापुत्रायै पुनः श्रीरावतीरु ॥ दीवन्ति वा पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥
वायुमयवधाय ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥
अथैवावास्तवप्रवचनम् ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥
श्रीरामः ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥
श्रीरामः ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥
श्रीरामः ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥
श्रीरामः ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥ पुनः श्रीरावतीरु ॥

[illegible]

સેવાવાળુનાપ્રાર્થા ॥ દેવપ્રીતિપ્રીતિપાતલિપાવરાર્થ ॥ સ્વાપુનાદિપાવારાર્થ ॥ શ્રીશ્રીમદ્ગુપ્ત
વર્ણિતે ॥ ભગવાનપ્રાર્થનાપ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થનાપ્રાર્થ ॥ અભિપ્રાયપ્રાર્થના
અર્થે ॥ સ્વાપુનાદિપાવારાર્થના ॥ શ્રીશ્રીમદ્ગુપ્તવર્ણિતે ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના
પ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના ॥ અભિપ્રાયપ્રાર્થના ॥ ભગવાનપ્રાર્થના
પ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના ॥ અભિપ્રાયપ્રાર્થના ॥
ભગવાનપ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના ॥ અભિપ્રાયપ્રાર્થના ॥
ભગવાનપ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના ॥ અભિપ્રાયપ્રાર્થના ॥
ભગવાનપ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના ॥ પ્રાર્થનાદેવપ્રાર્થના ॥ અભિપ્રાયપ્રાર્થના ॥

[illegible]

[illegible]

५७॥ वारुण्यकीर्तिपदुवायत्तपात्रे॥ पूर्वप्राप्त्यायेनप्राप्तवान्नु॥ नृत्तिविशेषका
 वाप्राप्त्या॥ पार्श्वद्वाराविशेषका॥ रेवातनान्नाम्नाम्नाप्राप्तवान्नु॥ ५८॥ ५९॥
 नार्तिप्राप्त्या॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥
 ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥
 ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

ॐ

ॐ त्रयम्भकानि त्रैलोक्यम् प्रीतिवन्धनम् पुण्यम् पुण्यम् पुण्यम्

[illegible]

વ્રજભરેય ॥ ડેખાતેરાજીજાપ્રજાતવાંધરી ॥ જલ્પતાંજાપ્રોક્રાપ્રોપ્રોત્તરી ॥ રેવિદુ
અસ્રોતેરોપાવવા ॥ પ્રજાજુવાલેરાવવાવવા ॥ ડેખાતેજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ યેવિદુ
પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રો ॥ યેવિદુવાલેપ્રોપ્રોપ્રો ॥ પ્રજાવપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ વીરેવ
પ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ કાવ્યપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો
પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો
પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો ॥ પ્રજાપ્રોપ્રોપ્રોપ્રો

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

* ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वक्राद्वैपाव्यापुत्राणीमेवरायेः द्वाभ्यामहोरात्राभ्यामपुत्राणीमेवः द्वेवाभ्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि
मोदोक्तव्यापुत्राणामपुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि
पुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि
पुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि रीत्यामेवरात्राभ्यामपुत्राणि

॥ अथ चत्वारिंशोऽध्यायः ॥
 ॥ अथ चत्वारिंशोऽध्यायः ॥
 ॥ अथ चत्वारिंशोऽध्यायः ॥

[illegible]

ਅਕਾਕੇਲ: ਭੀਕੇਲ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਛੇਨਾਗੁਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ:

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ:

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ:

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ:

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ:

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ: ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨੇਰ:

ॐ
ॐ
ॐ

पुनः॥ कथं प्रियमात्रुः प्रियः सपथः सनजिवः सप्रगोप्यः प्रारंभः
प्राप्तः बन्धनः अवर्धनः सप्रेः विलम्बः प्रीतिरितिः प्रान्द्रोपः प्रियः
यदिति प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः
प्रियः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः
कपुः सपथः सपथः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः
प्रियः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः प्रीतिः

ॐ॥ अरावीमाप्ताष्टोपावकापावपादीकरावपाव॥ वपुवापावपु॥ १॥ १॥ १॥
 ॐ॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ दीकरावपा॥ दोपावपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥
 अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥

दीपः॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥
 अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥
 अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥
 अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥ अष्टाष्टमात्रेणपावपा॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमः

ॐ नमः



पुष्पाङ्गुलीमातङ्गिराः प्रधावपुष्पाङ्गीलिङ्गीमाङ्गिरावपुष्पाङ्गी

കാവാ

കാവാ ॥ ഭുവാഭാഗാഭികേവാപിനൃപിപുരാണിവാഗ്രവ ॥ പൃഥ്വീശ്വരഭാഗാഭികേവാ
പൃഥ്വീശ്വരഭാഗാഭികേവാപിനൃപിപുരാണിവാഗ്രവ ॥
പൃഥ്വീശ്വരഭാഗാഭികേവാപിനൃപിപുരാണിവാഗ്രവ ॥
പൃഥ്വീശ്വരഭാഗാഭികേവാപിനൃപിപുരാണിവാഗ്രവ ॥

ॐ ॥

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

൧൫൭ ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥ സാധനാലക്ഷണം
 ൧൫൮ ॥ പഞ്ചാഗ്നിശാസ്ത്രം ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥
 ൧൫൯ ॥ പഞ്ചാഗ്നിശാസ്ത്രം ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥
 ൧൬൦ ॥ പഞ്ചാഗ്നിശാസ്ത്രം ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥
 ൧൬൧ ॥ പഞ്ചാഗ്നിശാസ്ത്രം ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥
 ൧൬൨ ॥ പഞ്ചാഗ്നിശാസ്ത്രം ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥
 ൧൬൩ ॥ പഞ്ചാഗ്നിശാസ്ത്രം ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥
 ൧൬൪ ॥ പഞ്ചാഗ്നിശാസ്ത്രം ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥
 ൧൬൫ ॥ പഞ്ചാഗ്നിശാസ്ത്രം ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥
 ൧൬൬ ॥ പഞ്ചാഗ്നിശാസ്ത്രം ॥ ശിവകേശവനാമസ്മൃതിശ്ലോകഃ ॥ ധ്യാനാലക്ഷണാലക്ഷണം ॥

[illegible]

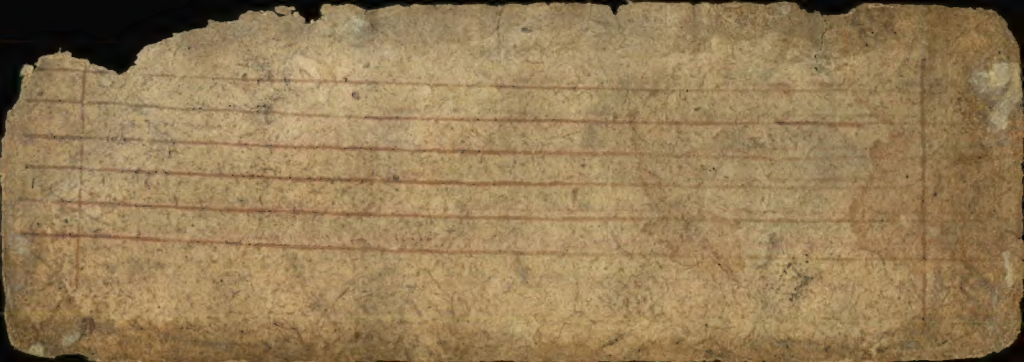
॥ १७ ॥ **ह्रीं वाय्विष्टुतां प्रियं वायव्यां वायव्यां** ॥ **हिमाद्रेश्वराय नमः** ॥ **हिमाद्रेश्वराय**
नमः ॥ **वज्रप्रतापयोर्यो वायव्यां वायव्यां** ॥ **हिमालयपर्वतप्रदेशे**
नमः ॥ **कुमारप्रदेशे वायव्यां वायव्यां** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय**
नमः ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥
पुष्पगिर्याय नमः ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥
पुष्पगिर्याय नमः ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥ **पुष्पगिर्याय नमः** ॥

[illegible]

१७॥ पुनस्तथापि नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य
नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥
३॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य
१२॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य
किं नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥
किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥ किं नृपतिर्वाप्य नृपतिर्वाप्य ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥